जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 367 प्रभात जालोर, गुरुवार 16 अप्रैल, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी का नेतृत्व स्वीकार किया विपक्ष ने

मुद्दा था, संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र, जो सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक को पारित करने के लिए आहूत किया है

- विपक्ष की बैठक में राहुल ने पुरजोर तरीके से कहा कि विपक्ष के सभी सांसद उपस्थित होने चाहिए, संसद में जब सरकार विधेयक को पारित करने के बहाने, संसदीय सीटों का परिसीमन करना चाहती है।
- तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने कहा, तृणमूल के सभी सांसद उपस्थित नहीं हो पाएंगे, क्योंकि प.बंगाल में चुनाव चल रहे होंगे।
- डी.एम.के. सांसद बालू, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा में पार्टी के नेता संजय सिंह, शिव सेना के नेता उद्धव ठाकरे, जो विपक्ष की बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए थे, एक स्वर में राहुल गांधी की बात का पुरज़ोर समर्थन किया और तृणमूल के प्रतिनिधि पर पूरा दबाव बनाया कि तृणमूल के सभी सांसद, विशेष सत्र में उपस्थित होने चाहिए। क्योंकि भाजपा को घेरना सबसे महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि अगर भाजपा की मनमानी बेरोकटोक चलती रही तो प्रजातंत्र ही खतरे में आ जाएगा और चुनाव भी बेमायने हो जाएंगे।
- राहुल के नेतृत्व को शायद पहले विपक्ष का पूर्ण समर्थन कभी नहीं मिला है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्ष की एक बैठक में, तृणमूल कांग्रेस की प्रतिनिधि और सांसद सागरिका घोष ने कहा कि चूंकि पश्चिम बंगाल में चुनाव चल रहे हैं, इसलिए सभी सांसद संसद में उपस्थित नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि केवल 5 से 7 सांसद ही मौजूद रह सकें।

इस पर आहत राहुल गांधी ने कहा कि यदि विपक्षी दलों के सभी सांसद नहीं आएंगे, तो यह संसद में भाजपा की मदद करने के बराबर होगा।

राहुल गांधी का समर्थन करते हुए, द्रमुक के टी.आर. बालू ने कहा कि तमिलनाडु में भी चुनाव हैं, लेकिन इसके बावजूद हमारी पार्टी के सभी सांसद संसद में बहस में हिस्सा लेने और अपनी आवाज़ उठाने के लिए उपस्थित रहेंगे। "आप" के सांसद और राज्यसभा नेता संजय सिंह ने इस तर्क का समर्थन करते हुए कहा कि सभी विपक्षी दलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके सांसद उपस्थित हों।

उन्होंने कहा कि यह मुद्दा चुनावों से बड़ा है और अगर स्थिति ऐसी ही रही, तो लोकतंत्र ही अर्थहीन हो जाएगा और चुनाव बेकार हो जाएंगे।

शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे, जो बैठक में ऑनलाइन जुड़े थे, ने कहा कि वे ममता बनर्जी से बात करेंगे और उनकी पार्टी के सभी सांसदों की संसद में उपस्थिति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देंगे।

अन्य उपस्थित लोगों ने भी यही भावना व्यक्त की और सभी ने उम्मीद जताई कि तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों के सभी सांसद इस मुद्दे पर भाजपा को परास्त करने के लिए संसद में उपस्थित होंगे।

अदालत ने सुबोध अग्रवाल को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

- जलजीवन मिशन घोटाले के आरोपी अग्रवाल ने खतरे की आशंका जताते हुए अलग सेल में रखने की प्रार्थना की।

जयपुर, 15 अप्रैल। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मामले में आरोपी पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

एसीबी की ओर से रिमांड अवधि पूरी होने के बाद बुधवार को सुबोध अग्रवाल को अदालत में पेश किया गया। एसीबी की ओर से कहा गया कि अभी तक आरोपी से पूछताछ पूरी नहीं हो पाई है। ऐसे में उसकी रिमांड अवधि को दो दिन और बढ़ाया जाए। इसका विरोध करते हुए सुबोध अग्रवाल के वकील ने कहा कि उन्होंने एसीबी के सवालों का जवाब दे दिया है। ऐसे में उन्हें जेल भेजा जाए। इसके साथ ही, उन्होंने जेल में खतरा बताकर अन्य कैदियों से अलग सेल में रहने की गुहार की। सुनवाई के दौरान सुबोध अग्रवाल ने कहा कि एसीबी अधिकारी मीडिया को कह रहे हैं कि उसने कई सवालों के जवाब नहीं दिए, बताइए उन्होंने किन सवालों के जवाब नहीं दिए। गौरतलब है कि एसीबी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में 10,000 सैनिक और भेजे

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ये दस हजार सैनिक गल्फ क्षेत्र में पहले से तैनात 50,000 सैनिकों को जॉइन करेंगे

- विशेषज्ञों के अनुसार, एक तरफ तो अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कह रहे हैं कि युद्ध समाप्त हो चुका है, दूसरी तरफ अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती, इससे ऐसा लगता है कि सीज़फायर, जो 22 अप्रैल को खत्म हो रहा है, के बाद संघर्ष और लंबा खिंच सकता है।
- ट्रंप, ईरान युद्ध के बारे में परस्पर विरोधाभासी बयानबाजी करते रहे हैं। फॉक्स न्यूज़ को दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा, मुझे लगता है, यह (युद्ध) जल्दी ही खत्म हो जाएगा, पर, अगले बयान में उन्होंने कहा, विश्व अगले दो दिनों में भारी सैन्य बल तैनाती देखेगा।
- वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, 6,000 सैनिक एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज एच डब्ल्यु बुश व उसके साथ के जहाजों से लिए गए हैं तथा 4,200 सैनिक बॉक्सर एम्फीबियस रैडी ग्रुप व इलैवन्थ मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट से लिए गए हैं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान में युद्ध लगभग समाप्त हो चुका है। लेकिन इसके साथ ही, पेंटागन की योजना के अनुसार, अस्थायी युद्धविराम के 22 अप्रैल को समाप्त होने से ठीक पहले, मध्य पूर्व में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजे जा रहे हैं। संकेत स्पष्ट हैं: जहाँ ट्रम्प युद्ध के जल्द खत्म होने की बात कर रहे हैं, वहीं वॉशिंगटन इस संभावना के लिए तैयारी कर रहा है कि संघर्ष और लंबा और गंभीर हो सकता है।

ट्रम्प अपने युद्ध संबंधी बयानों में विरोधाभासों को लेकर लगातार विवादित रहे हैं। उन्होंने हाल ही में फॉक्स न्यूज़ को कहा, "मुझे लगता है कि यह (संघर्ष) बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा।" एक अन्य बयान में उन्होंने कहा, "दुनिया अगले दो दिनों में तेजी से होते घटनाक्रम की गवाह बनेगी।"

"वॉशिंगटन पोस्ट" की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका मिडिल ईस्ट में 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग 6,000 सैनिक एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज बुश और उसके एस्कॉर्ट जहाजों पर हैं, जबकि अन्य 4,200 सैनिक बॉक्सर एम्बीशियस रेडी ग्रुप और 11वीं मरीन एक्सपीडिशनरी यूनिट से हैं। ये अतिरिक्त सैनिक लगभग 50,000 अमेरिकी कर्मियों के साथ शामिल होंगे, जो पहले से ही खाड़ी क्षेत्र में तैनात हैं। मध्य पूर्वी जल क्षेत्रों में तीन अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर्स भी मौजूद हैं।

इस समय, अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए उसके बंदरगाहों पर नौसैनिक नाकेबंदी लागू कर रहा है, तथा ओमान की खाड़ी और अरब सागर में अमेरिकी युद्धपोत कई जहाजों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा की ज़ैड प्लस सुरक्षा वापस ली

राघव की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिसकर्मियों को तुरंत हैड क्वार्टर रिपोर्ट करने को कहा गया है

- साफ जाहिर है कि आप नेतृत्व और पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच कटुता बहुत ज्यादा बढ़ गई है। आप नेतृत्व का आरोप है कि राघव संसद में प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्र सरकार के खिलाफ प्रभावी तरीके से आवाज़ नहीं उठा रहे हैं और अपने व्यक्तिगत प्रचार में लगे हुए हैं। हालांकि राघव ने इन आरोपों का खंडन किया है।
- इसी वजह से पहले उन्हें राज्यसभा में पार्टी के नेता पद से हटाया और अब ज़ैड प्लस सुरक्षा भी छीन ली गई।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता पद से हटाए जाने के कुछ ही दिन बाद, पंजाब सरकार ने आज सांसद को दी गई ज़ैड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली।

37 वर्षीय चड्ढा की सुरक्षा में तैनात पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कर्मियों को तुरंत मुख्यालय में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है।

यह कार्यवाही आप और उसके पंजाब सांसद के बीच तेजी से बढ़ते और कटु होते मतभेदों के बीच की गई है।

आप ने चड्ढा पर आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्र सरकार के खिलाफ संसद में अपनी आवाज उठाने से बचते रहे और इसके बजाय "सॉफ्ट पीआर" में लगे रहे। इसी कारण पार्टी ने 2 अप्रैल को उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटा दिया।

चड्ढा ने पार्टी के आरोपों को "झूठ" करार देते हुए कहा कि वे संसद में लोगों के मुद्दे उठाने जाते हैं, हंगामा करने के लिए नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित आरएएस हनुमाना राम को जमानत नहीं दी

- अदालत ने कहा कि आरएएस होते हुए भी डमी अभ्यर्थी बनने वाले को जमानत नहीं मिल सकती।

जयपुर, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 की लिखित परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बनकर दो उम्मीदवारों के स्थान पर परीक्षा देने वाले निलंबित आरएएस हनुमाना राम को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश आरोपी हनुमाना राम की जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता पर तीन व्यक्तियों के लिए डमी अभ्यर्थी बनने का आरोप है। यह एक घटना नहीं है, बल्कि आरोपी के निरंतर आचरण को दर्शाती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट से मिली ट्रांज़िट बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

सुप्रीम कोर्ट बैंच ने कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा व अन्य को नोटिस जारी किया और असम सरकार की याचिका पर जवाब देने को कहा

- कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां पर तीन देशों के पासपोर्ट होने का आरोप लगाया था, जिस पर रिंकी ने उन पर एफआईआर की थी।
- पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए भारी मात्रा में असम पुलिस बल ने दिल्ली में खेड़ा के आवास पर दबिश की थी। असम के मुख्यमंत्री के इस प्रतिकारी एक्शन के कारण पवन खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत लेनी पड़ी।
- तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें 7 दिन की ट्रांज़िट बेल दी थी, अर्थात इस अवधि में उन्हें असम की अदालत से जमानत लेनी ही होगी।
- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और ए.एस. चन्दुरकर की बैंच ने कहा, अगर खेड़ा असम की अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं तो यह रोक अप्रभावी हो जाएगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (15 अप्रैल, 2026) को तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कांग्रेस नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा को एक हफ्ते के लिए ट्रांज़िट अग्रिम जमानत दी गई थी। यह जमानत असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिन्की भुइयां सरमा द्वारा दर्ज एफआईआर से संबंधित थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके पास कई पासपोर्ट हैं।

न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और ए.एस. चंदुरकर की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश पर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि यदि कांग्रेस नेता उपयुक्त अदालत में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करते हैं, तो इस रोक का उन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा और न ही कोई प्रतिकूल निष्कर्ष निकालेगा।

पीठ ने पवन खेड़ा और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस भी जारी किया है, और असम सरकार की हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर उनके जवाब मांगे हैं।

विश्व बैंक ने राजस्थान को 2,000 करोड़ रूपए दिए

- यह राशि राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना के तहत 800 किमी सड़कों के उन्नयन व रखरखाव के लिए दी गई है।

जयपुर, 15 अप्रेल। विश्व बैंक के बोर्ड ऑफ एग्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर्स ने राजस्थान में राज्य राजमार्गों की दक्षता, मजबूती और सुरक्षा सुधार के लिए 225 मिलियन डॉलर (लगभग 2 हजार करोड़ रुपये) से अधिक की राजस्थान राजमार्ग आधुनिकीकरण परियोजना को मंजूरी प्रदान की है। विश्व बैंक के अनुसार, इस परियोजना से औद्योगिक, खनन, पर्यटन और कृषि से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, 30 लाख से अधिक लोगों को बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी का लाभ भी मिलेगा।

यह परियोजना राजस्थान राज्य राजमार्ग प्राधिकरण को आधुनिक और सेवा केन्द्रित बनाने में मददगार साबित होगी। इससे प्राधिकरण प्रदेश में लगभग 800 किलोमीटर के चयनित राजमार्गों का उन्नयन और रखरखाव करेगा। साथ ही, राजस्थान में सड़क सुरक्षा प्रबंधन को और बेहतर बनाएगा। इस स्वीकृत प्रोजेक्ट से भारत में पहली बार स्टेप-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के ब्लॉकेड के प्रत्युत्तर में ईरान ने भी "काउन्टर ब्लॉकेड" की धमकी दी

अगर ईरान अपनी धमकी के अनुरूप "रेड सी" से ब्लॉक कर देता है, इस पूरे इलाके से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एकदम ठप्प हो जाएगा

- चीन व रूस भी इस ब्लॉकेड प्रकरण में ईरान के साथ हैं तथा अमेरिका अकेला पड़ता जा रहा हैं।
- हताश होकर, अमेरिका ईरान से दोबारा वार्ता शुरु करना चाहता है, जिससे दो सप्ताह की "सीज़फायर" की अवधि कुछ और समय तक बढ़ाई जा सके।
- ट्रंप ने अपने आप एक तरफा घोषणा कर दी है कि वार्ता शुरु हो रही है।
- ट्रंप इस्लामाबाद में वार्ता करना चाहते हैं, पर, दूसरा पक्ष यूरोप में किसी सैन्ट्रल स्थान पर वार्ता आयोजित करना चाहता है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। अमेरिकी सरकार द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी पर गंभीर प्रतिक्रिया देते हुए, ईरान ने पश्चिम में लाल सागर से लेकर पूर्व में ओमान की खाड़ी तक विस्तृत जल क्षेत्र में जवाबी अवरोध की धमकी दी है। यदि यह प्रभावी ढंग से किया गया, तो इससे पूरे क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो सकता है, जिनमें यूरोप-एशिया मार्ग के लिए स्वेज नहर का उपयोग करने वाले जहाज भी शामिल हैं।

ऐसी तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच, अमेरिका खुद को पूरी तरह कूटनीतिक संकट में पा रहा है। रूस और चीन भी इसमें शामिल हो रहे हैं और अमेरिका को और अधिक अलग-थलग करने के प्रयास कर रहे हैं।

स्पष्ट संकेत हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के साथ दो सप्ताह की युद्धविराम अवधि बढ़ाने और होर्मुज़ स्ट्रेट की नौवहन सुविधा पर गतिरोध को सुलझाने के लिए सक्रिय रूप से वार्ता फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है।

ट्रम्प ने एकतरफा तौर पर ईरान के साथ संवाद फिर से शुरू करने की संभावनाओं की घोषणा की है, ताकि इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वार्ता पुनः शुरू की जा सके। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि ईरान का परमाणु मुद्दे पर प्रस्ताव और होर्मुज़ स्ट्रेट को पुनः खोलने का प्रस्ताव, अन्य कारणों के साथ, वार्ता को रोक रहा था।

डॉनल्ड ट्रम्प जोर दे रहे हैं कि वार्ता इस्लामाबाद, पाकिस्तान में होनी चाहिए, जबकि कुछ अन्य पक्ष सुझाव दे रहे हैं कि इसे ऐसे स्थान पर किया जाए जो ज्यादा केन्द्रीय क्षेत्र, जैसे कि यूरोप के किसी स्थान, में आयोजित किया जाना चाहिए। स्थान परिवर्तन से संभवतः अधिक व्यापक प्रतिनिधित्व की संभावना बन सकती है।

विडंबना यह है कि सबसे बड़ी अड़चन है, ईरान का परमाणु कार्यक्रम जो, केवल उन शर्तों को फिर से हासिल करने की कोशिश कर रहा है, जो जेसीपीओए ढांचे के तहत पहले ही प्राप्त हो चुकी थीं।

जेसीपीओए समझौता, जो प्रमुख परमाणु शक्तियों के बीच लंबी बातचीत के बाद हुआ था, डॉनल्ड ट्रम्प ने अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद ईरान ने जेसीपीओए समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं से बाहर निकलते हुए एक मजबूत परमाणु कार्यक्रम शुरू किया, जिससे परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने की संभावना बढ़ गई।

अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद वार्ता कई मुद्दों पर अटकी हुई थी, जिसमें परमाणु कार्यक्रम भी शामिल था। वार्ता विफल होने के बाद, अमेरिका ने होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी की घोषणा की, जिससे यहाँ जहाजों की आवाजाही प्रभावी रूप से रोक दी गई। इस जलमार्ग से तेल का परिगमन लगभग रुक गया।

इससे कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झटका लगा, जो होर्मुज़ स्ट्रेट के माध्यम से तेल की आवाजाही पर बहुत ज्यादा निर्भर भारी निर्भर थीं, जिनमें चीन और अधिकांश एशियाई देश शामिल हैं। नाकेबंदी की अमेरिका की घोषणा की चीन ने "खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना" करार देते हुए कड़ी निंदा की।

वास्तव में, अनुमान के अनुसार, चीन अपना 40 प्रतिशत तेल ईरान से लेता है, और चीन अपनी रणनीतिक तेल भंडार में गंभीर कमी से आशंकित है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीबीएसई के कक्षा दस के नतीजे घोषित

- छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों से बेहतर रहा 94.99 प्रतिशत छात्राएं तथा 92.69 प्रतिशत छात्र पास हुए।

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष के 93.66 प्रतिशत की तुलना में 0.04 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है।

बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष 24,83,479 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 तक किया गया था। क्षेत्रवार प्रदर्शन में, त्रिवेंद्रम और विजयवाड़ा क्षेत्र 99.79

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कदम पीछे ना हटाने वाला ही ऐश्वर्य को जीतता है। –ऋग्वेद

तारीख पर तारीख: न्याय नहीं, पेंशनरों के साथ निर्मम प्रतीक्षा

राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के पेंशनरों की पीड़ा अब केवल एक प्रशासनिक या वित्तीय समस्या नहीं रह गई है; यह शासन की संवेदनहीनता, न्यायिक विलंब और नीतिगत असफलताओं का ऐसा ज्वलंत उदाहरण बन चुकी है, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। जिन लोगों ने अपने जीवन के स्वर्णिम वर्ष शिक्षा, अनुसंधान और कृषि विकास को समर्पित कर दिए, आज वही अपने अधिकार–पेंशन–के लिए दर–दर भटकने को विवश हैं। यह स्थिति न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि राज्य की नैतिक जिम्मेदारी पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत 08 फरवरी 2010 को प्रकाशित एक समाचार से हुई, जिसने इस अन्याय को सार्वजनिक मंच पर उजागर किया। मामला इतना गंभीर था कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर को स्वत: संज्ञान लेना पड़ा। 24 सितंबर 2010 को न्यायालय ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य सरकार विश्वविद्यालयों को पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए तथा पेंशनरों को विलंब अवधि के ब्याज सहित समस्त देय भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उस समय सरकार ने आदेश की पालना की और अनुदान एवं ऋण के माध्यम से विश्वविद्यालयों को राहत दी गई, जिससे पेंशनरों को बकाया राशि, छठे वेतनमान का एरियर तथा ग्रेच्युटी का भुगतान हो सका।

परंतु यह समाधान स्थायी नहीं था–यह केवल एक अस्थायी राहत थी। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने अचानक पेंशन के लिए अनुदान और ऋण देना बंद कर दिया। यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं था, बल्कि हजारों बुजुर्ग पेंशनरों के जीवन पर सीधा आघात था। आर्थिक असुरक्षा, मानसिक तनाव और सामाजिक असम्मान की त्रासदी ने पेंशनरों को फिर से न्यायालय की शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया।

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के पेंशनर्स वेलफेयर सोसायटी ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। 3 मई 2016 को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर ने एक बार फिर राज्य सरकार को निर्देशित किया कि वह विश्वविद्यालय को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करे ताकि नियमित पेंशन के साथ 11 माह की बकाया पेंशन का भुगतान किया जा सके। न्यायालय ने इस दौरान यह भी उल्लेख किया कि याचिका के लंबित रहने के दौरान 25 पेंशनरों का निधन हो जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह टिप्पणी केवल संवेदना नहीं थी, बल्कि व्यवस्था पर एक कठोर टिप्पणी थी।

लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह और भी चिंताजनक है। राज्य सरकार ने इस आदेश का पालन करने के बजाय डबल बेंच में अपील दायर कर दी। तर्क दिया गया कि विश्वविद्यालय स्वायत्तशासी संस्था है और पेंशन का दायित्व उसी का है। यह तर्क न केवल तकनीकी रूप से कमजोर है, बल्कि नैतिक रूप से भी अस्वीकार्य है। विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति स्वयं इस दावे का खंडन करती है–जहाँ सीमित छात्र संख्या, नगण्य फीस आय और कृषि अनुसंधान केंद्रों से कोई ठोस आय नहीं है, वहाँ पेंशन जैसे दीर्घकालिक दायित्वों का निर्वहन कैसे संभव है?

मई 2017 में डबल बेंच ने अंतरिम राहत देते हुए तीन माह की पेंशन के भुगतान का आदेश दिया। इसके बाद यह व्यवस्था बनी कि जब तक अपील लंबित है, राज्य सरकार पेंशन के लिए राशि देती रहेगी। लेकिन यह व्यवस्था भी आधी–अधूरी रही। पेंशनरों को आज भी महंगाई भत्ता वास्तविक दर के मुकाबले बहुत कम मिल रहा है–जहाँ दर लगभग 58 प्रतिशत होनी चाहिए, वहाँ उन्हें मात्र 12 प्रतिशत मिल रहा है। 22 माह की पेंशन आज भी बकाया है और सातवें वेतनमान का एरियर भी अब तक अटका हुआ है।

यह केवल पेंशनरों की लड़ाई नहीं है, यह न्याय, संवेदनशीलता और शासन की जवाबदेही की लड़ाई है। अब और विलंब न केवल अन्याय होगा, बल्कि इतिहास में एक कलंक के रूप में दर्ज होगा। और भी चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे प्रकरण ने समाज में एक खतरनाक संदेश प्रसारित किया है-कि यदि आप जीवन भर ईमानदारी से सेवा भी करें, तो भी बुढ़ापे में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

जुलाई 2019 में न्यायालय ने 22 माह की बकाया पेंशन के भुगतान का स्पष्ट आदेश दिया, लेकिन यह आदेश भी कागजों तक सीमित रह गया। अंतत: पेंशनरों को मई 2024 में अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। परंतु वहाँ भी उन्हें न्याय नहीं, केवल तारीख पर तारीख ही मिली। यह स्थिति न्यायिक प्रक्रिया की प्रभावशीलता पर भी प्रश्न उठाती है।

इसी बीच, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के पेंशनर वेलफेयर सोसायटी ने 2021 में एक नई याचिका दायर की, जिसमें यह मांग की गई कि पेंशन की जिम्मेदारी पूर्णत: राज्य सरकार उठाए और पेंशनरों को राज्य कर्मचारियों के समान लाभ मिले। यह मांग न केवल न्यायोचित है, बल्कि व्यावहारिक भी है। परंतु पाँच वर्षों में इस याचिका की प्रगति भी अत्यंत निराशाजनक रही है–सरकार ने नोटिस का जवाब देना तक आवश्यक नहीं समझा।

आज स्थिति यह है कि लगभग 3000 पेंशनर इस अन्यायपूर्ण व्यवस्था के शिकार हैं। इनमें से लगभग 300 पेंशनर अपने अधिकार की प्रतीक्षा करते–करते इस दुनिया से विदा हो चुके हैं। यह केवल आँकड़े नहीं हैं, बल्कि एक असंवेदनशील व्यवस्था का मौन अभियोग हैं।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या एक कल्याणकारी राज्य में बुजुर्ग नागरिकों को अपने जीवन के अंतिम चरण में इस प्रकार अपमान और असुरक्षा का सामना करना चाहिए? क्या न्याय केवल आदेशों तक सीमित रह जाएगा, या उसका वास्तविक क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाएगा? क्या तारीख पर तारीख की यह परंपरा कभी समाप्त होगी?

राज्य सरकार अक्सर वित्तीय संकट का तर्क प्रस्तुत करती है, परंतु यह तर्क वास्तविकता के धरातल पर टिकता नहीं है। राज्य का वार्षिक बजट लाखों करोड़ का है, जिसमें से कुछ सौ करोड़ रुपये पेंशनरों के लिए आवंटित करना कोई असंभव कार्य नहीं है। यह मुद्दा संसाधनों का नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं का है। जब सरकार बड़े–बड़े विकास कार्यों और योजनाओं पर खर्च कर सकती है, तो अपने ही कर्मचारियों के जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक राशि क्यों नहीं दे सकती?

अब समय आ गया है कि इस विषय पर अंतिम और ठोस निर्णय लिया जाए। पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं है, यह उन वर्षों की मेहनत और समर्पण का सम्मान है, जो इन पेंशनरों ने राज्य के विकास के लिए दिए हैं। यदि इस समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो यह तारीख पर तारीख की कहानी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक कड़वा उदाहरण बन जाएगी–एक ऐसा उदाहरण, जहाँ एक राज्य अपने ही कर्मियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल रहा।

यह केवल पेंशनरों की लड़ाई नहीं है, यह न्याय, संवेदनशीलता और शासन की जवाबदेही की लड़ाई है। अब और विलंब न केवल अन्याय होगा, बल्कि इतिहास में एक कलंक के रूप में दर्ज होगा। और भी चिंताजनक बात यह है कि इस पूरे प्रकरण ने समाज में एक खतरनाक संदेश प्रसारित किया है–कि यदि आप जीवन भर ईमानदारी से सेवा भी करें, तो भी बुढ़ापे में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। इससे युवा पीढ़ी के मन में सरकारी सेवाओं के प्रति विश्वास कमजोर होता है। एक जिम्मेदार सरकार का दायित्व केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अपने कर्मियों को सुरक्षा और सम्मान देना भी है। यदि आज पेंशनरों के साथ यह अन्याय जारी रहा, तो कल यह व्यवस्था की विश्वसनीयता को ही खोखला कर देगा। इसलिए अब निर्णय का समय है–और वह भी तुरंत, स्पष्ट और न्यायपूर्ण।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व प्रोफेसर एवं उपाध्यक्ष
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय पेंशनर वेलफेयर सोसाइटी, उदयपुर

राशिफल गुरुवार 16 अप्रैल, 2026

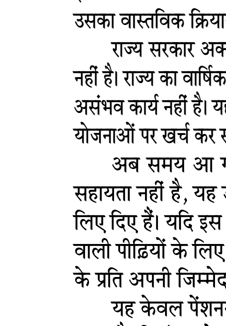

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र दिन 1:59 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 10:57 तक, विष्टि करण प्रात: 9:22 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–मीन, मंगल–मीन, बुध–मीन, गुरू–मिथुन, शुक्र–मेष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 1:59 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रात: 9:22 तक है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:41 तक, चर 10:52 से 12:27 तक, लाभ–अमृत 12:27 से 3:37 तक, शुभ 5:12 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:47

मेष

घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। पारिवारिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। घर–गृहस्थी के कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु

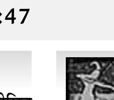

घर–परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या

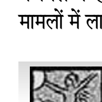

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

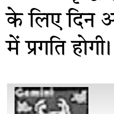

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला

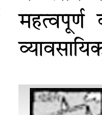

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ

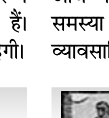

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क

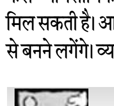

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

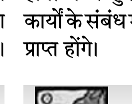

व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

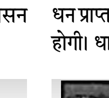

व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

बेखौफ गुंडागर्दी, खामोश कानून: जयपुर किसके भरोसे?

मणिमाला शर्मा

सरेआम छेड़छाड़, पर्यटकों के साथ अभद्रता और वायरल होते वीडियो, क्या शहर की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह प्रतिक्रियात्मक बन चुकी है?

जयपुर की सड़कों पर इन दिनों जो हो रहा है, उसे सामान्य छेड़छाड़ कहकर हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इसे देखा जाए तो यह सीधे–सीधे महिलाओं की गरिमा पर हमला है और उससे भी ज्यादा, कानून की साख पर। राह चलती लड़कियों का पीछा करना, रास्ते में बाइक सवारों की फब्तियां, सार्वजनिक जगहों पर अश्लील हरकतें करना आदि ये अब इक्का–दुक्का घटनाएं नहीं रहीं हैं। अब यह एक खतरनाक पैटर्न बन चुका है और सबसे डरावनी बात यह है कि इसे करने वालों के चेहरे पर कतई डर नहीं दिखता है, बल्कि एक अजीब–सा आत्मविश्वास दिखता है। जो कि सभ्य समाज के लिए खतरनाक है। इन सब घटनाओं के मद्देनज़र क्या अब यह मान लिया जाए कि सड़कों पर महिला होना अब असुरक्षा को स्वीकार करना है?

9 अप्रैल 2026 को न्यू सांगानेर रोड (इस्कॉन रोड) पर जो हुआ, उसने इस सच्चाई को नंगा कर दिया। बाइक टैक्सी पर बैठी एक युवती के साथ दो मनचले युवकों ने छेड़छाड़ की और फिर उसी का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। देखा जाए तो उन दोनों ने केवल अपराध ही नहीं किया बल्कि कानून को खुली चुनौती दी है। मनराज और सुदामा मीणा नाम के ये दोनों आरोपी क्या यह नहीं जानते थे कि वे अपराध कर रहे हैं? या उन्हें पूरा भरोसा था कि यह सब करने के बाद भी उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा? जब अपराधी अपने ग़लत कृत्यों को छिपाने के बजाय उसे 'रील' बनाकर दिखाने लगें, तो यह समझ लेना चाहिए कि उन्हें कानून का कोई डर ही नहीं बचा है।

यह घटना अकेली नहीं हैं। मार्च में चारदीवारी क्षेत्र में एक जर्मन महिला पर्यटक को हिंदी सिखाने के बहाने अश्लील गालियां रटवाई जाती हैं और उसका मजाक उड़ाया जाता है। 5 अप्रैल को जयगढ किले के पास सुबह की सैर पर निकली एक जापानी महिला पर्यटक को पांच युवक घेर लेते हैं और उसके साथ ज़बरदस्ती करने की कोशिश करते हैं । यह यह केवल सामान्य बदतमीजी नहीं, बल्कि उस शहर की पहचान पर चोट है, जो खुद को मेहमाननवाजी की मिसाल बताता है। अगर 'अतिथि' ही असुरक्षित है, तो हमारी संस्कृति का दावा किस काम का?

अब सीधा सवाल यह है कि जब कानून मौजूद हैं, तो उनका असर क्यों नहीं दिखता? भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354, 354 और 509 स्पष्ट रूप से ऐसे अपराधों को परिभाषित करती हैं और सजा का प्रावधान तय करती हैं। नए आपराधिक कानूनों में भी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सख्ती दिखाई गई है। फिर भी अगर अपराधी खुलेआम अपराध कर रहे हैं और उसे रिकॉर्ड कर प्रसारित भी कर रहे हैं, तो यह कानून की कमी नहीं, बल्कि उसके लागू होने की विफलता है। अब देखने वाली और पुलिस प्रशासन से सवाल पूछने की जरूरत है कि क्या इन मामलों में तुरंत दर्ज हुई है ? क्या आरोपियों को उसी तेजी से गिरफ्तार किया गया, जिस तेजी से वीडियो वायरल हुआ? और सबसे अहम सवाल कि क्या इन मामलों में आरोपियों को सजा होगी, और वह भी समयबद्ध? या फिर हर बार की तरह यह मामला भी कुछ दिनों की सुर्खियों के बाद ठंडा पड़ जाएगा? अगर सजा का डर नहीं है, तो कानून केवल किताबों में जिंदा रहता है, सड़कों पर नहीं।

पुलिस पर भी सवाल उठना लाज़मी है। हर बार वही कहानी और घटना दोहराई जाती है, पहले वीडियो वायरल होता है, फिर कार्रवाई शुरू होती है। तो क्या पुलिस अब सिर्फ सोशल मीडिया के दबाव पर काम करेगी? सवाल यह उठता है कि 'प्रिवेंटिव पुलिसिंग' यानी अपराध होने से पहले उसे रोकने की जिम्मेदारी क्या अब सिस्टम से गायब हो चुकी है? पुलिस की शहर के संवेदनशील इलाकों, सुनसान सड़कों और पर्यटन स्थलों पर नियमित गश्त क्यों नहीं दिखती है ? सादी वर्दी में पुलिसकर्मी क्यों नहीं नजर आते? पर्यटन स्थलों पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती क्यों नहीं की जाती है? इन सब मामलों में सरकार से भी जवाब मांगा जाना चाहिए। 'स्मार्ट सिटी' के नाम पर कैमरों और कंट्रोल रूम की लंबी–चौड़ी व्यवस्था खड़ी की गई है। लेकिन क्या ये कैमरे केवल फुटेज रिकॉर्ड करने के लिए हैं, या फिर कभी इन्हें अपराध रोकने के लिए भी यूज किया जाएगा? बाइक–टैक्सी और कैब सेवाओं का वेरिफिकेशन कहां है? रियल टाइम ट्रैकिंग सिस्टम क्यों नहीं लागू है? पर्यटन स्थलों की सुरक्षा का स्वतंत्र ऑडिट आखिरी बार कब हुआ था? यह कुछ सवाल हैं जिनके जवाब सरकार और पुलिस प्रशासन को देने ही होंगे और ऐसी कड़ी कानून व्यवस्था लागू करनी होगी ताकि आगे से कोई भी अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचे।

यहाँ समाज भी कम दोषी नहीं है।क्या वह इस पूरी कहानी में निर्दोष है? बिल्कुल नहीं। इस्कॉन रोड की घटना हो या अन्य मामले हर जगह लोग मौजूद थे, मोबाइल निकालकर वीडियो बना रहे थे। लेकिन किसी ने आगे बढ़कर रोकने की कोशिश नहीं की। यह 'डिजिटल तमाशबीन' बन जाने की प्रवृत्ति अपराधियों के लिए सबसे बड़ा सहारा है। जब विरोध नहीं होगा, तो अपराधी क्यों रुकेगा? अब वक्त आ गया है कि बातें नहीं, कार्रवाई दिखे। हर ऐसे मामले में तुरंत दर्ज हो, आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी हो, और फास्ट–ट्रैक अदालत में समयबद्ध सजा सुनिश्चित हो। सडकों पर पुलिस की मौजूदगी दिखनी चाहिए ताकि कानून का डर फिर से जिंदा हो। साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर निगरानी और जवाबदेही दोनों को मजबूत करना होगा।

जयपुर की पहचान उसके किलों और महलों से नहीं, उसकी सड़कों की सुरक्षा से तय होगी। अगर यहां महिलाएं और मेहमान सुरक्षित नहीं हैं, तो 'गुलाबी नगरी' का तमगा सिर्फ दिखावा बन कर रह जाएगा।आखिरी सवाल सरकार, सिस्टम और समाज तीनों से है कि कानून है, घटनाएं सामने हैं, सबूत कैमरों में कैद हैं, सोशल मीडिया में वीडियोज हैं फिर भी अपराधियों को डर क्यों नहीं है?

अगर कानून सडकों पर दिखाई नहीं देता, तो अपराधियों को यह यकीन होने लगता है कि वह है ही नहीं। यहाँ यह बात ध्यान देने की है कि डर खत्म होते ही कानून केवल किताबों में रह जाता है और सड़कों पर जंगलराज शुरू हो जाता है।

–मणिमाला शर्मा,
सीनियर जर्नलिस्ट

नदारद होते नीड़ और वीरान होते वन-उपवन

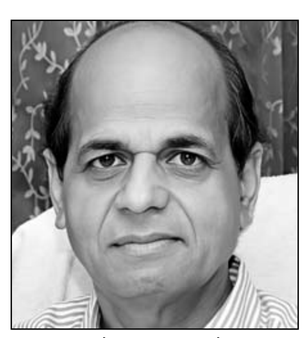

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

जब चिड़ियाँ खामोश होती हैं, तो केवल पेड़ ही नहीं, हमारे बचपन की संवेदनाएँ भी सूख जाती हैं। कंक्रीट के इस दौर में परिंदों की चुप्पी एक बड़ी चेतावनी है। क्या हम मुट्ठी भर दाना और एक सकोरा पानी देकर अपनी इस खोती हुई विरासत को बचाने के लिए तैयार हैं? यह लेख उसी उजड़ती दुनिया की एक मर्मस्पर्शी पुकार है।

पक्षियों के बिना जीवन की सरसता वैसी ही है जैसे बिना आत्मा का शरीर निस्पंद, नीरस और रिक्त। हमारे पूर्वजों ने एक ऐसा संसार रचा था जहाँ प्रकृति और मनुष्य के बीच एक सहज, आत्मीय और अटूट सेतु था। पेड़ केवल हरियाली नहीं थे, वे सैकड़ों परिन्दों के घर थे; और आँगन केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि जीवन की गूंज से भरा एक जीवंत संसार था। लेकिन आज, विकास की अंधी दौड़ में हमने उसी सेतु को निर्ममता से ध्वस्त कर दिया है। परिंदों का वह मधुर 'कलरव', जो कभी हमारे कानों में मिश्री घोलता था, अब शहरी कोलाहल और मशीनी शोर के नीचे दबकर कहीं खोता जा रहा है।

भोर की वह विलुप्त होती दस्तक

एक समय था जब हमारी सुबह किसी कृत्रिम अलार्म की कर्कश ध्वनि से नहीं, बल्कि घर–आँगन के पेड़ों पर बैठी चिड़ियों की चहचहाहट से होती थी। गौरैया घर की ऐसी सदस्य थी जो तस्वीरों के पीछे, रोशनदानों में, या दीवारों की छोटी–छोटी दरारों में बिना अनुमति लिए ही अपना घर बसा लेती थी। उसकी चंचलता घर के हर कोने में जीवन का स्पंदन भर देती थी।

परंतु आज के आधुनिक 'स्मार्ट होम्स' ने इन मासूम जीवों के लिए अपने दरवाजे बंद कर लिए हैं। रोशनदानों की जगह एयर–कंडीशनर की डक्ट्स ने ले ली है, और खुली खिड़कियों की जगह काँच की बंद दीवारों ने। चुलबुली गौरैया अब वास्तविकता से अधिक स्मृतियों का हिस्सा बनती जा रही है। अल सुबह, जहाँ कभी पेड़ों की घनी छांव में उनका सामूहिक कलरव एक मधुर राग छेड़ता था, वहाँ अब एक अजीब–सी खामोशी पसरी रहती हैमानो प्रकृति स्वयं किसी खोई हुई धुन को तलाश रही हो।

दोपहर का सन्नाटा और लुप्त होते शिकारी

दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब वातावरण ठहर–सा जाता था, तब बिजली के तारों पर बैठा हरा पतरिंगा अपनी अद्भुत फुर्ती से सबका ध्यान आकर्षित करता था। हवा में उड़ते कीट को बिजली–सी गति से झपटकर पकड़ लेना, और फिर उसी तार पर बैठकर अपनी चोंच को तार से टकराते हुए उसे निगल जाना, यह दृश्य किसी कुशल योद्धा के सधे हुए अभ्यास जैसा प्रतीत होता था।

इसी तरह कलगीधारी हुदहुद भी कभी घरों के लॉन और क्यारियों की मुलायम मिट्टी में अपनी लंबी चोंच डालकर भोजन खोजा करता था। आज स्थिति यह है कि शहरों में लॉन सिकुड़ गए हैं, क्यारियाँ समाप्त हो गई हैं, और जहाँ कभी मिट्टी की सोंधी महक थी, वहाँ अब टाइल्स और कंक्रीट का साम्राज्य है। जब धरती ही सीमेंट की परतों के नीचे दम तोड़ रही हो, तो ये नन्हे जीव अपना भोजन कहाँ तलाशें? यह केवल उनके अस्तित्व का संकट नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय संतुलन के विघटन का संकेत है।

बदलती संवेदनाएं: सरोकारों से विमुख होता मनुष्य

समय के साथ केवल भौतिक परिवेश ही नहीं बदला, बल्कि मनुष्य की संवेदनाएँ भी क्षीण होती चली गईं। एक समय था जब हर घर की मुंडेर पर मिट्टी का एक सकोरा (परिंडा) पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए रखा जाता था। घर की महिलाएँ पहली रोटी या मुट्ठी भर दाना छत पर डालना अपना कर्तव्य और पुण्य समझती थीं। आज यह परंपरा विलुप्तप्राय है।

विडंबना यह है कि आधुनिकता के प्रतीक कई भव्य प्रतिष्ठान 'दाना–पानी' जैसे नाम तो धारण करते हैं, पर उनके आसपास किसी पक्षी के लिए पानी की एक बूंद तक उपलब्ध नहीं होती। हम अपने वंशजों के लिए बैंक बैलेंस और आलीशान मकान तो छोड़ जाना चाहते हैं, पर उन्हें एक जीवंत पर्यावरण देने के प्रति उदासीन हैं।

एक व्यक्तिगत संकल्प: सुकून की तलाश

इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच कुछ छोटे–छोटे व्यक्तिगत प्रयास अभी भी आशा की किरण जगाते हैं। मैं प्रतिदिन एक पार्क में जाता हूँ और वहाँ पक्षियों के लिए दाना–पानी की व्यवस्था करता हूँ। जब कबूतर, तोते, फाख्ता और मैना समूह में आकर भोजन करते हैं और गिलहरियाँ भी उनमें शामिल होकर चंचलता बढ़ा देती हैं, तो वह दृश्य मन को एक अद्भुत शांति से भर देता है। यह केवल दाना खिलाना नहीं है, यह उस 'ऋण' की आंशिक पूर्ति का प्रयास है, जो हम पर प्रकृति का है।

गोधूलि वेला: सरल सवालों के कठिन जवाब

सांझ ढलते ही जब आकाश सिंदूरी आभा से रंगीन होता है और पक्षियों के झुंड अपने बसेरों की ओर लौटते हैं, तब एक विहंगम दृश्य सामने आता है। लेकिन आज यह दृश्य भी प्रश्नों से घिर गया है। जब मैं सांझ की इस बेला में अपने पौत्र को छत पर ले जाता हूँ, तो वह उत्सुकता से उड़ते हुए पक्षियों को देखता है और मासूमियत से पूछ बैठता है ;दादा, ये कौन से पक्षी हैं? ये सब कहाँ जा रहे हैं?

उसके इन सरल सवालों का जवाब देने में आज हमें हिचकिचाहट होती है, क्योंकि हम जानते हैं कि उनके बसेरे अब सुरक्षित नहीं हैं।

परिंदों की परवाज़ अब धीमी पड़ रही है। उनकी खामोशी में एक गहरी चेतावनी छिपी है। यदि हमने समय रहते इसे नहीं समझा, तो आने वाली पीढ़ियाँ पक्षियों को केवल किताबों और चित्रों में ही देख पाएंगी।

संकट के बादल और हमारा सामूहिक धर्म

पक्षियों के संरक्षण के लिए कानून तो बने हैं, पर केवल कानून पर्याप्त नहीं इसके लिए करुणा, संवेदनशीलता और सामूहिक संकल्प आवश्यक है। आइए, हम सब मिलकर कुछ छोटे लेकिन प्रभावी कदम उठाएँ–

सकोरा अभियान: घर या कार्यालय की छत/बालकनी में पानी से भरा एक सकोरा अवश्य रखें।

अन्न का दान: प्रतिदिन कुछ दाने या रोटी के टुकड़े पक्षियों के लिए रखें। ध्यान रखें उन्हें डराकर उड़ाएँ नहीं।

आश्रय निर्माण: जहाँ संभव हो, छोटे घोंसले या 'बर्ड नेस्ट' लगाएँ, ताकि उन्हें सुरक्षित आश्रय मिल सके।

गर्मियों के इन कठिन दिनों में उन्हें हमारी सबसे अधिक आवश्यकता होती है। हम अपने बच्चों के लिए जो धन–संपदा संजो रहे हैं, उसका कोई अर्थ नहीं रह जाएगा यदि बाहर का आकाश सूना और आँगन मौन हो गया। आइए, इन बेजुबानों की पीड़ा को समझें और इस धरती को फिर से उनके कलरव से गुंजायमान करने का संकल्प लें –

आज यदि हम उनके लिए पानी का एक सकोरा रखेंगे, तभी कल हमारी पीढ़ी के लिए चहचहाता हुआ सवेरा आएगा।

–डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
वन्य जीव विशेषज्ञ, जयपुर

अरावली में तेंदुआ-मानव संघर्ष की नई तस्वीर: नुकसान भारी, फिर भी कायम है सहअस्तित्व

डॉ. कमलेश शर्मा

जयसमंद अभयारण्य क्षेत्र में 13 साल में 572 घटनाएं, 98 प्रतिशत मामलों में पशुधन शिकार; मुआवजा प्रणाली कमजोर, लेकिन लोगों की सहनशीलता मजबूत

राजस्थान के दक्षिणी अरावली क्षेत्र में इंसान और तेंदुए के बीच संबंध टकराव और सह अस्तित्व का अनोखा मिश्रण बनकर सामने आया है। जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य के आसपास किए गए एक विस्तृत शोध में यह खुलासा हुआ है कि भारी आर्थिक नुकसान के बावजूद स्थानीय समुदायों में तेंदुए के प्रति सहनशीलता बनी हुई है।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्राणी शास्त्र विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार कोली और उनके दल के कमल वैष्णव, निर्भय सिंह चौहान व उत्कर्ष प्रजापति द्वारा 2011 से 2024 के बीच किए गए इस अध्ययन में 572 मानव–तेंदुआ संघर्ष घटनाएं दर्ज की गई, जिनमें से लगभग 98 प्रतिशत मामले पशुधन के शिकार से जुड़े थे।

रात में बढ़ता है खतरा, बकरियां सबसे ज्यादा निशाने पर

कोली ने बताया कि शोध के अनुसार तेंदुए के हमले मुख्य रूप से रात के समय होते हैं, जब पशु खुले या कच्चे बाड़ों में बंधे होते हैं। इनमें बकरियां, गाय और बछड़े सबसे ज्यादा शिकार बने। शोध में पाया गया है कि ऊंचाई वाले और अभयारण्य के पास स्थित गांवों में खतरा सबसे अधिक पाया गया, जहां मानव बस्तियां और वन क्षेत्र एक–दूसरे से सटे हुए हैं।

मुआवजा: प्रक्रिया कठिन, राशि कम

कोली ने बताया कि अध्ययन में मुआवजा प्रणाली की बड़ी खामियां भी उजागर हुईं। कुल घटनाओं में से केवल 31 प्रतिशत मामलों में ही मुआवजे के लिए दावा किया गया। इसी प्रकार स्वीकृत राशि वास्तविक नुकसान से काफी कम रही वहीं जटिल कागजी प्रक्रिया और कम जागरूकता प्रमुख बाधाएं रहीं। इससे ग्रामीणों में आर्थिक दबाव तो बढ़ा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इससे तेंदुए के प्रति हिंसक प्रतिक्रिया नहीं दिखी।

सह अस्तित्व की मिसाल: बदले की भावना नहीं

शोध की सबसे सकारात्मक बात यह रही कि तेंदुए के खिलाफ बदले में हत्या का कोई मामला सामने नहीं आया। स्थानीय लोगों का दृष्टिकोण लगभग तटस्थ (–0.2 स्कोर) पाया गया, जो बताता है कि सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएं वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका निभा रही हैं।

शिक्षा से बदलता नजरिया

अध्ययन में यह भी सामने आया कि अधिक शिक्षित लोग तेंदुए के प्रति अधिक सकारात्मक सोच रखते हैं जबकि कम आय और कम शिक्षा वाले परिवारों में डर और नकारात्मकता अधिक है। अर्थात शिक्षा, सहअस्तित्व की सबसे मजबूत कुंजी बनकर उभर रही है।

संघर्ष के प्रमुख कारण

विशेषज्ञों के अनुसार संघर्ष के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। इसके तहत जंगल और गांवों के बीच बढ़ती नजदीकी, खुले और असुरक्षित पशु बाड़े, भूमि उपयोग में बदलाव, अभयारण्य के आसपास मानव गतिविधियां आदि तेंदुआ और मानव संघर्ष के प्रमुख कारण पाए गए हैं।

क्या हैं समाधान?

शोधकर्ताओं ने इस संघर्ष को कम करने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए हैं। इसके तहत पशुओं के लिए जालीदार और मजबूत बाड़े बनाने के साथ–साथ चराई में बदलाव करते हुए जंगल के भीतर की बजाय गांव के पास चराई को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसी प्रकार मुआवजा प्रणाली में सुधार के तहत सरल प्रक्रिया और बाजार मूल्य के अनुरूप भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने इस संघर्ष को कम करने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को सुरक्षा और वन्य जीव व्यवहार की जानकारी देने की बात भी कही है।

एक्सपर्ट व्यू :–

एनटीसीए के सदस्य और सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर बताते हैं कि अध्ययन स्पष्ट करता है कि तेंदुए को बचाने के लिए केवल जंगल संरक्षण पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि उन लोगों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जो इन वन्यजीवों के साथ अपनी जमीन साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरावली की पहाड़ियों में यह सह अस्तित्व की कहानी न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल बन सकती है–जहां संघर्ष के बीच भी संतुलन संभव है।

-डॉ. कमलेश शर्मा,
ज्वाइंट डायरेक्टर (पब्लिक रिलेशन्स) पुलिस हैडक्वाटर्स, राजस्थान

कचरे में मिला मोबाइल

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल मिला है। वार्ड संख्या 11 में बाथरूम के पीछे कचरें के ढेर में एक मोबाइल और दो सिमकार्ड मिले है। जेल प्रशासन की तरफ से अज्ञात बंदी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि केंद्रीय कारागार उपाधीक्षक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि मंगलवार को जेल में मंगलवार को सर्च किया जा रहा था। तब वार्ड नंबर 11 स्थित एक शौचालय के पीछे कचरें के ढेर में मोबाइल और दो सिम कार्ड मिले। संभवत : किसी बंदी या कैदी ने उसे डाला होगा।

आम सूचना (फर्म में भागीदार को हटाने के लिए)
मैसर्स-माँ आशापुरा ग्रेनाइटस पता-प्लोट नम्बर-02, खसरा नम्बर 1462/920 शांतिनाथ इंडस्ट्रीयल एरिया, भागली सिंधलान, जालोर (पिन-343001), रजिस्ट्रेशन नम्बर-आर.एफ./जे.एल.आर./2022/1093, दिनांक 22/03/2022, व्यवसायिक कार्यालय पता-प्लोट नम्बर-02, खसरा नम्बर-1462/920, शांतिनाथ इंडस्ट्रीयल ऐरिया, भागली सिंधलान, जालोर (पिन-303001) के भागीदार शपथ पत्र प्रस्तुत कर निवेदन करते है कि-
(1) फर्म के भागीदार रणजीत राम पुत्र श्री जीवन राम, पता-डेहर की ढाणी, पिलानी जिला नागौर (राजस्थान) (पिन-301503) को दिनांक 15/01/2026 को स्वेच्छा से हटाया जाता है।
स्थान-जालोर | हस्ताक्षर ग्रहिता
दिनांक-15/1/26 | रणजीत राम
(रिटायर पार्टनर)

कार बनी आग का गोला

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर जाजीवाल कला के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। कार के बोनट से धुआं निकलता देख ड्राइवर और उनके रिश्तेदार ने सूझबूझ दिखाई। गाड़ी रोककर तुरंत बाहर निकल गए। कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई।

फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण गर्माया, सायला तहसीलदार को हटाया

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में बहुचर्चित 5 करोड 50 लाख रुपए के सायला में फर्जी रजिस्ट्री मामले को लेकर पीडित परिवार को महापडाव जारी है। वही मंगलवार शाम को सर्व समाज् ‌ओर से सायला कस्बे में पैदल मार्च कर तहसीलदार व अन्य लोर्गो के खिलाफ कडी कार्यवाही की मांग की। बुधवार को जिला कलैक्टर प्रदीप गंवाडे ने एक आदेश जारी कर सायला तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी को हटाकर बागोडा तहसीलदार रामलाल को सायला का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

जिला कलेक्टर जालोर द्वारा 15 अप्रैल 2026 को जारी आदेश के अनुसार, यह व्यवस्था आगामी आदेशों तक प्रभावी रहेगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि रामलाल अपने वर्तमान पद के साथ-साथ सायला तहसीलदार का कार्य भी संभालेंगे।

सूत्रों के अनुसार, सायला क्षेत्र में सामने आए 5.50 करोड रुपए के फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण में तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी पर गंभीर आरोप लगे थे। मामले को लेकर लगातार शिकायतें और विरोध भी सामने आ रहे थे, जिसके बाद प्रशासन को यह कदम उठाना पडा। इस कार्रवाई के बाद जिले में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। अब आगे की जांच, जिम्मेदारों की पहचान और संभावित कार्रवाई को लेकर लोगों की नजरें टिकी हुई हैं। सायला क्षेत्र में बहुचर्चित फर्जी रजिस्ट्री प्रकरण को लेकर मुख्य षडयंत्रकारी मांगीलाल फोलामुथा सहित अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने एक मांग-पत्र भी सौंपा है। मांग पत्र में तहसीलदार के खिलाफ कडी कार्यवाही करने उसे सस्पेड करने की मांग की।

गौरतलब है कि सायला तहसील मुख्यालय पर चैराउ निवासी जबरसिंह पुत्र वगतसिंहजी राजपूत परिवार के साथ साढे पांच करोड की ठगी करने को लेकर सर्व समाज की ओर से सायला तहसील कार्यालय के आगे महापडाव सोमवार को शुरु किया था बुधवार को भी जारी रहा। शिवसेना जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित ने बुधवार को मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर सायला तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी के विरुद्ध फर्जी रजिस्ट्री, भ्रष्टाचार एवं पीडित के साथ हुए अन्याय को लेकर ज्ञापन सौपा। जालोर जिले की सायला तहसील में गंभीर भ्रष्टाचार एवं फर्जी रजिस्ट्री के मामले सामने आए हैं, जिनमें तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है। सायला निवासी जगमाल सिंह के परिवार के साथ लगभग 5.50 करोड की धोखाधडी कर भूमाफियाओं द्वारा फर्जी रजिस्ट्री के माध्यम से जमीन हडप ली गई। इस गंभीर प्रकरण में पीडति को न्याय दिलाने के बजाय सायला तहसीलदार द्वारा कथित रूप से भूमाफियाओं से मिलीभगत कर रिश्वत ली गई और उल्टा पीडित परिवार के विरुद्ध ही मुकदमा दर्ज कर दिया गया, जो न्याय व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खडा करता है। स पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच करवाई जाए। दोषी तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

जनगणना के लिए फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण शुरू

जोधपुर, (कासं)। एक मई से देश भर में शुरू होने वाले जनगणना 2027 कार्यक्रम को लेकर बुधवार से नगर निगम सभागार में फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ।

नगर निगम आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि पहली बार जनगणना का कार्य पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जा रही है। जनगणना का पहला चरण एक मई से शुरू होकर 14 जून तक संचालित किया जाएगा। नगर निगम जोधपुर क्षेत्र में जनगणना कार्य के सफल संचालन के लिए नियुक्त फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज से शुरू हुआ जो 17 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा।

नगर निगम कार्यालय स्थित सभा कक्ष में प्रतिदिन सुबह 9.30 से सायं 6 बजे तक यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चलेगा। इस दौरान कुल 37 फील्ड ट्रेनर्स को जनगणना कार्य की समस्त प्रक्रियाओं एवं सीएमएमएस पोर्टल पर कार्य निष्पादन की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन जनगणना कार्य निदेशालय, जयपुर द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों एवं संबंधित संस्था प्रधान के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना प्रकोष्ठ के साथ पृथक कंट्रोल रूम बनाया

जनगणना 2027 की तैयारियों के क्रम में जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशानुसार उप जिला जनगणना अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग जोधपुर मीनाक्षी चौधरी द्वारा बुधवार को कार्यालय स्तर पर एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में चौधरी ने अवगत कराया कि जनगणना 2027 के सुचारू एवं प्रभावी संपादन के लिए जिला जनगणना प्रकोष्ठ के साथ पृथक रूप से एक कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जिससे समस्त गतिविधियों का समन्वय एवं निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि आमजन में जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शिक्षा विभाग के सहयोग से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अंतर्गत दिनांक एक मई से 15 मई तक स्व-गणना तथा 16 मई से 14 जून तक जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य संपादित किया जाएगा।

कार्ययोजना के अनुसार जिले के समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में पोस्टर निर्माण, रंगोली, स्लोगन, निबंध, मेहंदी प्रतियोगिता तथा नुक्कड़ नाटक जैसे विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों के माध्यम से परिवार एवं समाज स्तर पर व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित की जा सके। इसके अतिरिक्त ग्राम एवं ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों एवं सभाओं के माध्यम से भी स्व-गणना एवं जनगणना के प्रथम चरण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ-साथ जनगणना के नारे जनगणना से जनकल्याण तक तथा मास्कोट प्रगति एवं विकास के बारे में भी आमजन को अवगत कराया जाएगा।

बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समन्वित प्रयासों के माध्यम से जनगणना 2027 को सफल बनाने के लिए अधिकतम जन सहभागिता सुनिश्चित करें।

कार्यालय नगर परिषद जालोर (राजस्थान)
क्रमांक: /नपजा/स्टोर/2026/259 | दिनांक: 09.04.2026
-:: ई-निविदा सूचना 01/2026-27 ::-
नगर परिषद जालोर द्वारा विभिन्न कार्य करवाये जाने हेतु सामग्री कय एवं सेवाओं में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि की सम्पूर्ण जानकारी/सूचना वेबसाईट http://eprocrajasthan.in & http://sppp.raj.nic.in पर देखी तथा डाउनलोड़ की जा सकती है।

Total Work	06 Work
NIB CODE	DLB2627A0269

राज.संवाद/सी/26/797 | आयुक्त, नगर परिषद, जालोर

कार्यालय नगरपरिषद,जालोर (राजस्थान)
क्रमांक: /नपजालौर/स्टोर/2026/377 | दिनांक:- 15.04.2026
-:: संशोधित निविदा सूचना ::-
(Corrigendum)
इस कार्यालय द्वारा निविदा सूचना संख्या 134 दिनांक 06.04.2026 के द्वारा नगरपरिषद जालोर द्वारा राजस्थान लोक उपापन एवं पारदर्शिता नियम 2012-2013 के अन्तर्गत विभिन्न कार्यो/सामग्री के लिए ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की गई थी। जिसमें कम संख्या 01 से 09 तक निविदा सबमिशन करनें की तिथि 15.04.2026 एवं कम संख्या 09 से 18 तक निविदा सबमिशन करनें की तिथि 16.04.2026 को रखी गई थी।
अतः उक्त निविदा की तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है एवं निविदा की शर्ते यथावत रहेगी।

Sr.No.	Details	Work No.	Previous Date	Revised Date
01	NIB CODE- DLB2627A0195	01 to 09	15-04-2026	23-04-2026
02	NIB CODE- DLB2627A0195	09 to 18	16-04-2026	24-04-2026

राज.संवाद/सी/26/893 | आयुक्त, नगर परिषद, जालोर

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)
(अस्पताल चौराहा, जोधपुर रोड, जालोर-343001)
Tel.- (02973) 222270 | E-mail : mbjalore24@yahoo.in
क्रमांक: नपजा/SBM/2026-27/230 | दिनांक: 08.04.2026
नीलामी सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिशद जालोर के सिवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट के सोधित पानी को सिचाई कार्यो के लिए सार्वजनिक निलामी सूचना ठेका वर्श 2026-27 हेतु दिनांक 16.04.2026 व 17.04.2026 को दोपहर 3.00 बजे से 5.00 तक निलामी की जायेगी।
अतः इच्छुक व्यक्ति/ठेकेदार निर्धारित दिनांक को नगर परिशद कार्यालय में उपस्थित होकर निर्धारित अमानत राशि 10000.00 रूपये जमा करवाकर अपने नाम से बोली लगाकर ठेका ले सकते है। ठेके की शर्ते किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय तथा विभागीय पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।
नीलामी स्थल :- कार्यालय नगर परिशद जालोर।
राज.संवाद/सी/26/895 | आयुक्त

कार्यालय नगर परिषद जालोर (राजस्थान)
क्रमांक: /नपजा/लेखा/2026/262 | दिनांक: 09.04.2026
-:: ई-निविदा सूचना संख्या-01/2026-27 ::-
नगर परिषद् जालौर द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु नगर परिषद क्षेत्र जालोर में श्रम, सामग्री एवं परिवहन सहित सम्पूर्ण सफाई कार्य दो जोन में पृथक पृथक के लिए अनुबंध पर सेवाऐं/ठेका देने हेतु इच्छुक विनिर्दिष्ट बोलीदाताओं/संवेदकों से वार्षिक दर संविदा करने बाबत दो रूपों में ई-निविदा/बोली प्रस्ताव यथा तकनीकी बोली प्रस्ताव एवं वित्तीस बोली प्रस्ताव ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर ऑनलाईन प्रकिया द्वारा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्य की विस्तृत जानकारी निविदा की शर्ते आदि की सम्पूर्ण जानकारी/सूचना वेबसाईट http://eprocrajasthan.in & http://sppp.raj.nic.in व पर देखी तथा डाउनलोड़ की जा सकती है।
1. UBN-DLB2627WSOB00527 2. UBN-DLB2627WSOB00528
राज.संवाद/सी/26/796 | आयुक्त नगर परिषद, जालोर

कनाड़ा में रिटेल स्टोर पर जॉब लगाने के नाम पर युवक से 4 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के खांडा फलसा स्थित भीमजी का मोहल्ला क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को दिल्ली के शातिर ठग ने कनाडा में नौकरी लगवाने का झांसा देकर चार लाख की ठगी कर ली। पीड़ित ने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से अब नामजद आरोपी के खिलाफ खांडाफलसा थाने में रिपोर्ट दी है।

खांडा फलसा पुलिस ने बताया कि इस बारे में मेड़तिया वालों की हवेली, भीमजी का मोहल्ला निवासी कमल पुरोहित पुत्र प्रकाशचन्द्र पुरोहित की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसके अनुसार वह शिक्षित है और विदेश में नौकरी का इच्छुक भी है। इसके लिए वह ऑनलाइन वेबसाइट पर विदेश जाने के बारे में जानकारी जुटाता रहता है साथ ही आवेदन भी करता है। फरवरी 2023 में उसका सम्पर्क दिल्ली स्थित प्रीतमपुरा निवासी कुणाल केंत से हुआ था। जोकि अपनी फर्म स्वैप इमीरगेशन के जरिये भारत में कई लोगो को उनकी शिक्षा, कार्य अनुभव के आधार पर विभिन्न देशों मे अच्छी एवं प्रतिष्ठित कम्पनियों, स्टोर एवं रजिस्टर्ड फर्म में जॉब के लिए वर्क बीजा दिलाने का अपना अनुभव साझा किया और अपने बारे में कई बातें की।

आरोपी कुणाल केन्त ने परिवादी की शिक्षा एवं कार्य अनुभव के बारे में उससे आवश्यक जानकारीयां लेकर आश्वस्त किया कि वह शीघ्रताशीघ्र परिवादी विदेश में जॉब के लिए वर्क वीजा दिला देगा जिसके लिए अभियुक्त कुणाल केन्त ने परिवादी द्वारा सभी आहरित औपचारिकताएं पूरी करने एवं दस्तावेज उपलब्ध करवाने पर पूरे काम का करीबन 4-5 लाख रूपये के आसपास खर्चा बताया। बाद में परिवादी कमल पुरोहित को कनाडा मे रिटेल स्टोर पर जॉब के लिए वर्क वीजा दिलाने की बात की और इस काम के लिए 2 लाख रूपए एडवांस लिए गए। विश्वास में आकर उसने रूपए दिए गए। समय समय पर कमल अपने दस्तावेज भी कुणाल केंत के पास भेजता रहा। कुणाल वर्क वीजा प्रोसेस चलने के बारे में बताता और जल्द ही वर्क बीजा मिल जाने के लिए परिवादी को आश्वस्त करता रहा। उसे कनाडा की एक कंपनी में इन्वेस्टमेंट्स एलटीडी, मारखम, ओंटारियो के जरिये जॉब के लिए वेकेन्सी होना बताया और उस काम के लिये अच्छा वेतन एवं अन्य सुविधाएं मिलने की बात की जिससे सम्बन्धित कम्पनी के लेटर हेड एवं अन्य जानकारियां परिवादी की ईमेल आईडी व वाटसअप नम्बर पर साझा की और जल्द से जल्द काम कराने के लिए भरोसे मे लेकर परिवादी से 2 लाख की रकम ओर ट्रांसफर करने की बात करने लगा। बाद में फिर से 6 मार्च 24 को दो लाख रूपए और दिए गए। वर्क वीजा के लिए कुल 4 लाख रूपये की रकम ट्रांसफर करने के कई दिन गुजर जाने पर जब परिवादी ने उक्त काम की अपडेट के बारे मे अभियुक्त कुणाल से पूछा तो अभियुक्त कुणाल एक व अन्य कारणों के चलते टालमटोल करने लगा।

28 अगस्त 2025 को जब परिवादी ने कुणाल से सम्पर्क कर उक्त काम की अपडेट मांगी तो अभियुक्त कुणाल कहने लगा कि कनाडा में जिस जॉब के लिए वर्क वीजा दिलाने वाला था उस जॉब का वर्क वीजा नहीं मिल पा रहा है। किसी दूसरी अच्छी जॉब के लिए जल्द से जल्द वर्क वीजा दिला दूंगा। काफी टालमटोल के बाद रूपयों की वापिस मांग की गई तो कुणाल केंत ने कनाडा सॉलीसिटर से 15 दिनो में परिवादी का कमीशन क्रेडिट होते हुए परिवादी को कहा कि मैं तुम्हे तुम्हारा पैसा तुम्हारे खाते मे वापस भेज दूंगा। मगर आरोपी हर बार टालमटोल जवाब देता रहा और कानूनी कार्रवाई का कहने पर वह दस्तावेजों का दुरूपयोग के लिए भी धमकाने लगा।

युवक पकड़ा, देशी पिस्टल, पांच कारतूस बरामद

जोधपुर, (कासं)। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने डीएसटी पूर्व की सूचना पर एक युवक को पकड़ा और देशी पिस्टल एवं पांच जिंदा कारतूस बरामद किए।

एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार मंगलवार को गश्त के समय डीएसटी पूर्व से सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में एक युवक के पास में अवैध हथियार हो सकता है। पुलिस की टीम ने संदिग्ध युवक को पकड़ा और तलाशी में उसके पास से देशी पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए। आरोपी हरढाणी बावड़ी खेड़ापा निवासी राजेंद्र पुत्र चोलाराम को गिरफ्तार किया गया।

हादसे में नंदी की मौत

जोधपुर, (कासं)। फलोदी-नागौर राजमार्ग-19 पर मंगलवार रात एक सडक़ हादसे में नंदी की मौत हो गई। यह घटना आऊ के पास थाटों की ढाणी चौराहे पर हुई, जब एक स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी।

ग्रामीणों ने बताया कि स्कॉर्पियो फलोदी से आऊ की ओर जा रही थी। थाटों की ढाणी चौराहे से लगभग सौ मीटर आगे ओवरटेक करने के प्रयास में अचानक एक नंदी वाहन के सामने आ गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि नंदी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में स्कॉर्पियो वाहन भी क्षितठास्त हो गया, हालांकि उसमें सवार दोनों यात्री सुरक्षित बच गए।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और वाहन में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान कुछ देर के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा।

सहकारी बैंक सेमिनार हुआ

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के वतन रिसॉर्ट में बहुराज्यीय शहरी सहकारी बैंक सेमिनार का आयोजन हुआ।

राजस्थान अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स फेडरेशन, नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव बैंक्स फेडरेशन, एन.यू.सी.एफ.डी.सी.(अंब्रेला ऑर्गेनाइजेशन) और जालोर नागरिक सहकारी बैंक के संयुक्त तत्वावधान में जालोर के वतन रिसॉर्ट में बहुराज्यीय शहरी सहकारी बैंकों का एक संयुक्त सेमिनार सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। सेमिनार में राजस्थान और गुजरात राज्यों के 15० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

जुनिपर ग्रीन स्टेलर प्राइवेट लिमिटेड
3th & 4th फ्लोर, टावर - 4, कंडोर टेक स्पेस, सेक्टर - 48, गुरुग्राम, हरियाणा – 122018
सूचना/ चेतावनी
निम्नलिखित ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।
मेसर्स जुनिपर ग्रीन स्टेलर प्राइवेट लिमिटेड के जिला-बाड़मेर, राजस्थान में JGSPL 220/33 kV विंडपीएसएस से JGSPL 220/33 kV सौर ऊर्जा परियोजना पीएसएस (लाइन की लंबाई: 28 किमी) तक D/C टावरों पर 220 kV S/C ट्रांसमिशन लाइन। निम्नलिखित दिनांक 18.04.26 के बाद किसी भी समय 220 kV ट्रांसमिशन लाइन को ऊर्जीकृत किया जा सकता है।
इस योजना के तहत ट्रांसमिशन लाइन राजस्थान राज्य के निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से होकर गुजरेगी।

क्र. सं.	गाँव का नाम	तहसील	जिला	राज्य
1.	शियो/ शिव, जसे का गाँव, लखोंणियो की ढाणी, गूंगा, हाथीसिंह का गाँव, हाथीसिंह की ढाणी, देराजपुर, तेजरावानगर, झांफली, झांफली कल्ला/ झांफली कलां/ झाफली कला, पाबूनगर, लीकड़ी/ लीकरी/ लीकडी, चक भेंसका, पुरोहितों की ढाणी, कोटरिया की ढाणी/ कोटड़ियो की ढाणी, बनाकिया धोरा	शियो/ शिव	बाड़मेर	राजस्थान

सभी को सूचित किया जाता है कि चूंकि यह एक बहुत उच्च वोल्टेज लाइन है, इसलिए इसके निकट जाना सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से बहुत खतरनाक है। इसलिए, आम जनता को सूचित किया जा रहा है कि लोग ट्रांसमिशन लाइन टॉवरों और बिजली तारों के रास्ते से दूर रहें। उन्हें ट्रांसमिशन लाइन टॉवरों पर चढ़ने या उनके साथ किसी भी प्रकार की शरारत करने का प्रयास भी नहीं करना चाहिए। ट्रांसमिशन लाइन के दोनों ओर किसी भी निर्माण कार्य के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने पर भारतीय विद्युत नियमों के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है और यदि नियमों के उल्लंघन के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो जुनिपर ग्रीन स्टेलर प्राइवेट लिमिटेड की कोई जिम्मेदार नहीं होगा।
पवन कुमार गुप्ता- अधिकृत प्रतिनिधि
0124-4739600

तीन शातिर साइबर ठग गिरफ्तार, 47,500 रुपये नकद बरामद

आरोपियों से 2 लैपटॉप, 2 एटीएम कार्ड भी बरामद किए

भवानीमंडी, (निसं)। ऑपरेशन म्यूल हंटर में भवानीमंडी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है और पुलिस ने तीन शातिर साइबर ठग गिरफ्तार किए है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 47,500 रुपये नकद, 2 लैपटॉप, 02 एटीएम कार्ड, 5 बैंक पासबुक, 1 चेकबुक जब्त की है।

साइबर अपराधों पर लगाम कसने के लिए भवानीमंडी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत पुलिस ने दूसरी बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो बैंक खातों की खरीद-फरोख्त कर उन्हें साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान 14 अप्रैल को सूचना मिली कि एक निजी बैंक की भवानीमंडी शाखा का एक खाता संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है। तकनीकी विश्लेषण और जांच के बाद पता चला कि यह खाता अजय वर्मा के नाम पर था और इसका उपयोग

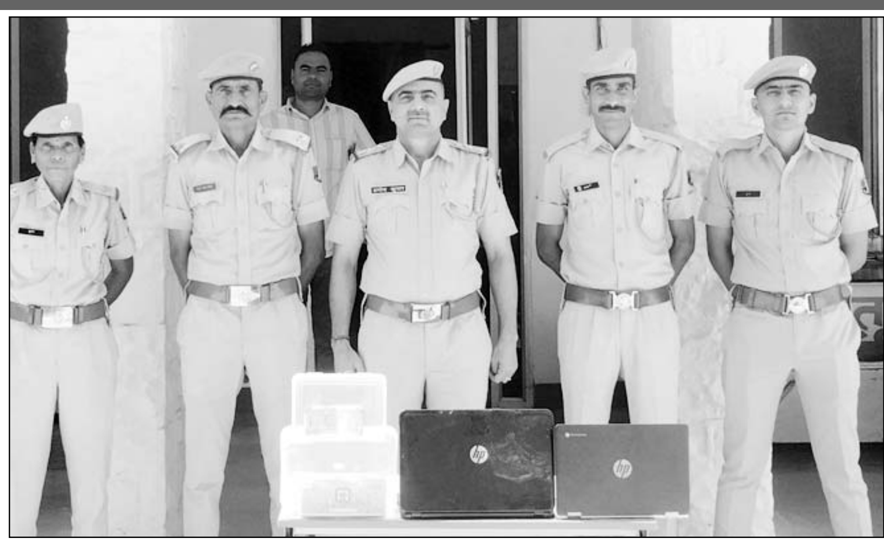

भवानीमंडी पुलिस ने साइबर ठगी के उपकरण सहित आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

साइबर ठगी के पैसों के लेन-देन के लिए किया जा रहा था। भवानीमंडी के निकटतम सुपरविजन में प्रमोद कुमार पु.नि. थानाधिकारी थाना भवानीमंडी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा प्राप्त सूचना व तकनीकी विश्लेषण द्वारा साईबर अपराध में संलिप्त बैंक खातों व खाता धारको की जानकारी प्राप्त की जाकर म्युल खाता धारक अजय वर्मा पुत्र दिलीप कुमार वर्मा जाति बसेडा उम्र 28 साल निवासी खण्डिया कॉलोनी झालावाड़ पुलिस थाना कोतवाली झालावाड़ जिला-झालावाड़ (राज.) व खाता खरीदने वाले आरोपीगण अरविन्द मीणा पुत्र राजूलाल जाति मीणा उम्र 25 साल निवासी मोरेली पुलिस थाना

ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत पुलिस ने दूसरी बड़ी सफलता हासिल की

अकलेरा जिला-झालावाड (राज.) राजकुमार मेघवाल पुत्र रामप्रसाद जाति मेघवाल उम्र-25 साल निवासी मुण्डेरी पुलिस थाना मण्डावर जिला-झालावाड (राज.) को भी गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। गिरफ्तार आरोपी अजय वर्मा, अरविन्द मीणा राजकुमार मेघवाल म्यूल अकाउंट्स का नेटवर्क जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि ये आरोपी लाखों रुपये देकर अन्य लोगों के बैंक खाते खरीदते थे और फिर उन्हें बड़े साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। इन श्यूल खातों के जरिए देशभर में करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम दिया जा रहा था। इन खातों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें पहले से दर्ज है।

शिक्षकों से भरी कार पलटी, सभी सुरक्षित

सूरतगढ़ । शिक्षा ब्लॉक क्षेत्र के गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल बिरधवाल हेड के पास बुधवार को शिक्षकों से भरी एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के समय कार में तीन महिला और दो पुरुष शिक्षक सवार थे। सौभाग्य से इस हादसे में कोई गंभीर जनहानि नहीं हुई और सभी शिक्षक सुरक्षित रहे।

जानकारी के अनुसार कार को शिक्षक संजीव भारद्वाज चला रहे थे। सुबह ड्यूटी पर जाते समय स्कूल से करीब 400 मीटर पहले अचानक वाहन में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे कार का संतुलन बिगड़ गया। ड्राइवर ने स्थिति को संभालने का पूरा प्रयास किया, लेकिन ब्रेक सहित अन्य महत्वपूर्ण पुर्जों के काम करना बंद कर

तकनीकी खराबी से अनियंत्रित हुई गाड़ी, बिरधवाल स्कूल के पास हादसा

देने से कार पूरी तरह अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित कार तेजी से आगे बढ़ती हुई स्कूल गेट तक पहुंची और अंत में स्कूल की दीवार से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने बिना देर किए सभी घायलों को निजी वाहनों की मदद से सूरतगढ़ के निजी अस्पताल पहुंचाया।

घायलों में प्रेमलता, सपना, डिंपल चौधरी, संजीव भारद्वाज और रंजीत सोढा शामिल हैं। निजी अस्पताल में चिकित्सकों ने सभी का तुरंत उपचार किया। डिंपल चौधरी, संजीव भारद्वाज और रंजीत सोढा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि प्रेमलता और सपना के गर्दन व कान के पास चोटें आई थीं। जांच के बाद उन्हें भी उपचार देकर घर भेज दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार सभी शिक्षकों की हालत अब सामान्य है और किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। सभी शिक्षक बिरधवाल हेड के गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल में कार्यरत हैं।

संगठनात्मक कार्यक्रमों में अनुपस्थिति पर सख्ती

अजमेर, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया है। हाल के आयोजनों में कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी लगातार अनुपस्थित पाए गए हैं।

कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पार्टी की विचारधारा, सामाजिक न्याय और प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। ऐसे कार्यक्रमों से दूरी बनाना अनुशासनहीनता माना जाएगा। पार्टी द्वारा प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी की साप्ताहिक रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को भेजी जा रही है, जो आगामी नगर निगम चुनावों, संगठनात्मक नियुक्तियों और जिम्मेदारियों के निर्धारण का आधार बनेगी। हाल ही में आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती और महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती में अनुपस्थित रहने वाले कार्यकर्ताओं की सूची प्रदेश स्तर पर भेजी जा रही है। साथ ही, आधिकारिक कार्यक्रमों से अलग आयोजित गतिविधियों की जानकारी भी प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित की जा रही है। जिला कांग्रेस कमेटी ने निर्देश दिए हैं कि अनुपस्थित रहने वाले सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शीघ्र ही कार्यालय में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। बिना उचित कारण के अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा।

9100 लीटर वाश नष्ट, 17 भट्ठियां तोड़ीं

हनुमानगढ़ । जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग ने दो दिवसीय संयुक्त अभियान चलाया। इस बड़ी कार्रवाई के दौरान विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर करीब 9100 लीटर लाहन (वाश) नष्ट किया गया। साथ ही 17 कच्ची भट्टियों को भी तोड़ दिया गया और अवैध शराब बरामद कर दो मामले दर्ज किए गए।

आबकारी आयुक्त एवं जिला कलेक्टर के निर्देश पर यह अभियान उपायुक्त आबकारी निरोधक दल, जोन बीकानेर के नेतृत्व में संचालित हुआ। टीम ने जिले के गंगागढ़, गंगाघाट, देबूघाट, मक्कासर, मक्कासर नहर, अमरपुरथेड़ी, सुरेशिया, चंदड़ा और नवां सहित कई अन्य क्षेत्रों में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान हथकढ़ शराब बनाने के लिए तैयार बड़ी मात्रा में लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

अवैध शराब बरामद कर 2 मामले दर्ज किए, टीम ने कई इलाकों में की छापेमारी

इसके अतिरिक्त 46 पव्वे देशी शराब और लगभग 3 लीटर हथकढ़ शराब भी बरामद की गई। विभाग ने इस संबंध में दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला आबकारी अधिकारी संजीव पटावरी ने बताया कि अवैध शराब के खिलाफ विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में इस तरह की गतिविधियों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 28 अभियोग दर्ज किए जा चुके हैं, जो विभाग की सक्रियता को दर्शाता है।

सिख समाज ने मृत्यु भोज पर लिया फैसला

अनूपगढ़ । यहा सिंह सभा गुरुद्वारे में सर्व सिख समाज ने मृत्यु भोज को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब किसी भी परिवार में मृत्यु के बाद आयोजित लंगर में केवल दाल, सब्जी, प्रसादा और जल ही परोसा जाएगा। मिठाइयों और अन्य व्यंजनों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

यह फैसला समाज में अनावश्यक खर्च को रोकने और दुख की घड़ी में सादगी व सेवा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है। इस निर्णय के प्रचार-प्रसार के लिए आगामी 5 मई को गुरुद्वारा सिंह सभा, अनूपगढ़ में एक विशाल बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख नागरिकों को आमंत्रित किया

लंगर में होगी सिर्फ दाल, सब्जी और प्रसादा, मिठाइयों पर रोक

जाएगा।

बैठक में जट सिख महासभा के अध्यक्ष सुखबिंदर सिंह उर्फ पप्पू, कंबोज महासभा के अध्यक्ष अजीत सिंह धांजू, प्रकाश सिंह जोसन, वरिंदर सिंह ढिल्लों, जालंधर सिंह टूर, गोरा सिंह भुलुर, दर्शन सिंह बराड़, गुरविंदर सिंह जाखड़, प्रेम सिंह मली, सर्वजीत सिंह, गुरदेव सिंह टूरना, परमजीत सिंह, सुरेंद्र पाल सिंह बराड़, करमजीत सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे।

'परिवार ने हिरण को बच्चे की तरह पाला'

बीकानेर । यहां एक किसान परिवार ने हिरण को बच्चे की तरह पाला। डेढ़ साल तक उसका ख्याल रखा। उसे बोतल से दूध पिलाया। बच्चे उसके साथ खेलते। हिरण के बच्चे की मां को कुत्तों ने मार दिया था।

श्रीसनातन धर्म गोसेवा मरुधर थार संस्था की टीम हिरण के बच्चे को लेने किसान हनुमानराम मेघवाल के घर पहुंची। परिवार ने तिलक लगाकर और मिश्री खिलाकर उसे विदा किया।

इस दौरान किसान की पत्नी से लेकर बच्चे तक फूट-फूटकर रोने लगे। मामला बीकानेर के कोलायत के ग्रांधी गांव का है। परिवार ने हिरण के बच्चे का नाम 'कमल' रखा था।

संस्था के संचालक ओम फौजी ने बताया- हनुमानराम के खेत के पास करीब डेढ़ साल पहले एक मादा हिरण का कुत्तों ने मार डाला था। हिरण का बच्चा अपनी मां के आसपास घूम रहा था। तभी हनुमानराम की नजर उस पर पड़ी। कुत्ते हिरण के बच्चे को न मार दें, इसलिए हनुमानराम उसे अपने घर

हिरण के बच्चे को बोतल से दूध पिलाते है

ले आए थे।

जब हनुमानराम हिरण के बच्चे को लेकर घर पहुंचे तो उनके दोनों बेटे गिरधारी, पवन और बेटी तुलसी काफी खुश हुए। ढाणी में ही हिरण के बच्चे के लिए एक छोटा कमरा रखा। किसान की पत्नी केसर अपने बच्चे की तरह इसकी देखभाल करने लगी। दूध की बोतल से उसे बकरी का दूध पिलाती और दिनभर उसका ख्याल रखने लगी।

परिवार का हिरण के बच्चे से इतना लगाव हो गया कि बच्चे दिनभर उसी के साथ खेलते थे। यहां तक कि ढाणी से बाहर भी जाना होता तो उसे अकेला नहीं छोड़ते थे। उसे अपने साथ लेकर जाते थे। संस्था के लोगों ने बताया कि किसान ने हिरण के इस बच्चे को परिवार का हिस्सा मान लिया था।

हनुमानराम ने बताया कि हिरण के बड़ा होने पर सींग निकल आए थे। ऐसे में उसके चोट लगने की आशंका बढ़ गई थी। परिवार के लोगों को भी डर सताने लगा था कि कहीं भाग गया या किसी ने शिकार कर लिया तो परेशानी बढ़ सकती है।

इस पर परिवार ने श्रीसनातन धर्म गोसेवा मरुधर थार संस्था से संपर्क किया। संस्था के लोग हिरण के बच्चे को लेने पहुंचे। बच्चों ने विदाई से पहले उसे दूध पिलाया और साथ में खेले। यही नहीं, उसके गले में घंटी भी बांधी। जब उसे पिकअप में बैठाया जा रहा था तो पूरा परिवार उसे छोड़ने पहुंचा।

ओम फौजी ने बताया कि यह पहला मौका नहीं है। इससे पहले भी कई बार लोगों ने अनाथ हिरण के बच्चों को अपने घर में पालने के बाद बड़ा होने पर प्राकृतिक आवास में छोड़ा है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित मोडायत गांव में मदनलाल ठेकेदार ने भी इसी तरह एक हिरण के बच्चे का पालन-पोषण कर उसे समराथल धोरा में छोड़ा था।

असिस्टेंट इंजीनियर ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। बूंदी में बिजली विभाग में कार्यरत असिस्टेंट इंजीनियर (एईएन) ने भीमगंजमंडी थाना क्षेत्र मे स्थित अपने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। मृतक गोपाल कृष्ण भीमगंजमंडी इलाके के डडवाडा क्षेत्र में रहते थे।

जानकारी के अनुसार मामले में सामने आया कि गोपाल कृष्ण ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया, जिसे नीचे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि डडवाडा निवासी गोपाल कृष्ण (50) ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली, मृतक बूंदी में बिजली विभाग में एईएन के पद पर थे, थानाधिकारी ने बताया कि मृतक की पत्नी जयपुर में फर्स्ट ग्रेड टीचर के पद पर है जो कुछ महीनों से पति से अलग जयपुर में रह रही थी, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनो को सौंप दिया है । थानाधिकारी ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे कोई कारण सामने नही आया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पुष्कर में कृष्ण भवन का लोकार्पण

पुष्कर, । तीर्थ नगरी पुष्कर स्थित श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन में नवनिर्मित कृष्ण भवन का लोकार्पण बुधवार को भव्य समारोह में संपन्न हुआ। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास, अयोध्या के कोषाध्यक्ष संत गोविंद देव गिरी महाराज ने विधिवत अनावरण कर भवन को समाज को समर्पित किया। कार्यक्रम की शुरुआत यज्ञ, पूजा-अर्चना और आरती के साथ हुई। प्रातः 11:15 बजे महाराज ने पट्टिका का अनावरण किया। इस मौके पर कई भक्त मौजूद थे।

पुलिस ने बरामद किए 35 लाख के मोबाइल

श्रीगंगानगर । चोरी और गुमशुदा मोबाइलों की तलाश में जुटी श्रीगंगानगर जिला पुलिस ने 35 लाख के 138 मोबाइल फोन किए हैं। जिसके बाद बरामद किए गए मोबाइलों को उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया। एसपी हरी शंकर ने बताया- सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज गुमशुदा व चोरी हुए मोबाइलों को ट्रेस करने के लिए 12 मार्च 2026 से विशेष अभियान चलाया गया था।

इस अभियान के दौरान श्रीगंगानगर पुलिस ने न सिर्फ अपने जिले बल्कि बिहार, उत्तर प्रदेश,

यूपी, बिहार, राजस्थान और हरियाणा से ट्रैस किए; मालिकों को लौटाए

पंजाब और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से मोबाइल फोन बरामद किए। आज बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन, श्रीगंगानगर में एक कार्यक्रम आयोजित कर इन बरामद मोबाइलों को उनके सही मालिकों को सौंप दिया गया। थाना कोतवाली के कॉन्स्टेबल सुशील कुमार ने 26, जवाहरनगर के सोहनलाल ने 25 मोबाइल बरामद किए हैं। वहीं, घड़साना के राजेश ने 16, पुरानी आबादी के अनिल, सादुलशहर के दीपक, अनूपगढ़ के राजेंद्र और थाना श्रीकरणपुर के महावीर ने 10-10 मोबाइल बरामद किए हैं। एसपी ने लोगों से कहा- अगर आपका मोबाइल गुम हो गया हो या चोरी हो गया हो तो तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है कि आपकी संपत्ति आपको वापस मिल सके।

राशन गेहूं के लिए जनता घंटों कतार में, व्यवस्था लाचार

उपभोक्ता व डीलर परेशान, अप्रैल माह के साथ ही बांटा जा रहा है मई और जून माह का गेहूं

कोटा, (निसं)। शहर में इस समय राशन उपभोक्ताओं को राज्य सरकार की तरफ से अप्रैल माह के साथ ही मई और जून का गेहूं भी वितरित किया जा रहा है। इस वजह से शहर की राशन दुकानों पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। भारी भीड़ के कारण कई बार विवाद की स्थिति खड़ी हो रही है। राशन उपभोक्ता रात से ही दुकानों के आगे लाइन लगाकर खड़े हैं। उनका कहना है कि दो-दो, तीन- तीन दिन से गेहूं लेने के लिए, कतार में खड़े हैं परंतु फिर भी गेहूं नहीं मिल पा रहा।

सामने आ रहा है कि कई राशन डीलर एक ही दिन में गेहूं का वितरण करके फ्री हो गए हैं। परंतु उनके क्षेत्र के लोगों को गेहूं नहीं मिल पाया है। जिस कारण से उपभोक्ता दूसरे इलाकों की दुकानों पर पहुंच रहे हैं। जिस कारण राशन दुकानों पर भारी और हंगामें की स्थिति बन रही है। ऐसे ही हालातो के चलते महावीर नगर विस्तार योजना स्थित राशन की दुकान पर बुधवार को उस समय अव्यवस्था एवं अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब तीन माह का राशन एक साथ वितरण किए जाने के आदेश के चलते बड़ी संख्या में उपभोक्ता एकत्र हो गए। स्थानीय उपभोक्ताओं के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों

कोटा के महावीर नगर विस्तार योजना में राशन की दुकान पर हंगामें की स्थिति के बाद पार्षद शालिनी गौतम ने गेहूं वितरण शुरू करवाया।

के निवासी भी राशन लेने पहुंच गए, जिससे भीड़ और अधिक बढ़ गई तथा आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी के बीच लंबी कतारों से परेशान आमजन में भारी आक्रोश देखने को मिला। राशन डीलर महिला को व्यवस्थाएं बनाने के लिए महावीर नगर थाने से पुलिस का जाप्ता बुलाना पड़ा। डीलर की सूचना पर महावीर नगर पुलिस का जाप्ता भी मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन आमजन रात से ही लाइन में लगा हुआ था इस कारण से लोगों के मन में काफी पीड़ा थी जिसे उन्होंने पुलिस के सम्मुख भी व्यक्त किया। पुलिस के द्वारा भी लोगों की समस्या को गंभीरता से सुनकर उसका समाधान करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही स्थानीय पार्षद एवं महिला कांग्रेस कोटा शहर जिलाध्यक्ष शालिनी गौतम मौके पर पहुँचीं। इस मौके पर ब्लॉक उपाध्यक्ष रमेश यादव व रोहित प्रजापति मौजूद थे। उन्होंने उपस्थित उपभोक्ताओं की समस्याएँ सुनीं, उन्हें समझाइश देकर स्थिति को शांत कराया तथा मौके पर ही जिला रसद अधिकारी से वार्ता कर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। जिला अध्यक्ष शालिनी गौतम ने कहा कि खाद्य विभाग द्वारा अप्रैल के साथ मई एवं जून माह का

पुलिस और स्थानीय पार्षद की दखल से शुरू हो पाया गेहूं वितरण

राशन एक साथ वितरित करने का निर्णय सराहनीय है, लेकिन उचित एवं सुव्यवस्थित व्यवस्था के अभाव में उपभोक्ताओं और राशन डीलरों दोनों को कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। एक साथ अधिक मात्रा में वितरण होने से प्रक्रिया में अधिक समय लग रहा है, जिसके कारण राशन की दुकानों पर अत्यधिक भीड़ एकत्र हो रही है और लोगों को घंटों तक कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। राशन डीलरों के अनुसार विभागीय नियमों के तहत एक उपभोक्ता का पूरा राशन वितरण होने तक दूसरे उपभोक्ता की एंट्री पॉस मशीन में संभव नहीं है। अप्रैल माह का राशन देने के साथ प्रत्येक उपभोक्ता के लिए मशीन में मई और जून के गेहूं के लिए दो-तीन बार प्रक्रिया करनी पड़ती है जिसमें लगभग 15 से 20 मिनट का समय लग रहा है। इसी कारण है कि कई स्थानों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी कतारें लग रही हैं।

दिव्या जाजू बनी मिसेज बूंदी

बून्दी (निसं)।जेसीआई बूंदी ऊर्जा द्वारा स्थानीय रिसोर्ट में महिलाओं के लिए एक रोमांचक मिस एंड मिसेज बूंदी 2026 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कई महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुई प्रतियोगिता तीन मनोरंजक राउंड में संपन्न हुई। आकर्षक रैंप वॉक रचनात्मक परिचय व अद्भुत टैलेंट राउंड और प्रश्न उत्तर शामिल थे। जिसमें प्रतियोगियों ने बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। मिस दिवा 2022 डॉक्टर रसीला भूरिया डॉक्टर ममता चौधरी मिसेज वोगेस्टर 2023 व रुचि जौहरी मिसेज न्यू फेस 2024 ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उन्होंने प्रत्येक प्रतिभागियो के प्रदर्शन का बारीकी से मूल्यांकन किया और अंत में अपना निर्णय दिया। मिसेज बूँदी 2026 - दिव्या जाजू , मिस बूँदी 2026 - काव्या गुरबानी , मिसेज बूँदी 2026 फर्स्ट रनर अप शेली माहेश्वरी , मिस बूँदी 2026 फर्स्ट रनर अप कृति अरोड़ा , मिसेज बूँदी 2026 सेकंड रनर अप नेहा झंवर , मिस बूँदी 2026 सेकंड रनर अप नव्या भंडारी , मिसेज आउटस्टैंडिंग परफॉर्मर शोभा कास्ट , मिस आउटस्टैंडिंग परफॉर्मर आश्वी तोतला, मिसेज एलिगेंट डॉ. निर्मला, मिस एलिगेंट जिया भंडारी

मिसेज ग्लैमरस निशा सालिवाल , मिस ग्लैमरस आरवी माहेश्वरी 2026 आदि को खिताब से नवाजा।

जेसीआई बूंदी ऊर्जा की सदस्य प्रिया जैन व नेहा शर्मा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष अंकिता नुवाल ने सभी का स्वागत किया।

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013

E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2026-27/राजकाज 21396694 दिनांक :- 02/04/2026

निविदा सूचना संख्या 01/II/2026-27

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, प्राधिकरण एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य हेतु मुहरबंद ई.ओ.आई. आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://lsg.rajasthan.gov.in/bda पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- ITB2627SLOB00003

राज.संवाद/सी/26/811 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

संशोधित निविदा सूचना - 01 दिनांक :- 13/04/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी–एल.एस/प्रमुख एंव प्रभारी एलएस/संविदा– 12/2025–26 दिनांक 09.03.2026 UBN No. MML2526WSOB00170	जोधपुर कार्यालय के अधीन जैसलमेर एवं गोटन ईकाइ स्थित खदान में कार्य करने हेतु अनुबन्ध के आधार पर कम्प्यूटर पर कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर की संख्या 26। अनुमानित मूल्य (रू.) 151.83 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 304000/–, निविदा राशि– 4720/– निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 20.04.2026 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनिकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 21.04.2026 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/807 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान राज्य पाठ्यपुस्तक मण्डल

2-2, ए झालाना डूंगरी, जयपुर, फोन 0141-2711237, 2703657, 2700540 फैक्स : 0141-2710362

Email : secretary.rstb@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- एफ-3/1/स्टोर/रारापाम/2026/ दिनांक :- 10/04/2026

ई-बिड सूचना संख्या 372 वर्ष 2026

एक वर्ष के लिए मण्डल मुख्यालय पर सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब बेसिस पर मशीन विद मैन (कम्प्यूटर ऑपरेटर) की सेवायें अनुबंधित किये जाने हेतु ऑन लाईन माध्यम से ई–बोलियां दिनांक 20.04.2026 सांय 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। बोली की अनुमानित लागत 40.00 लाख है। निविदा से संबंधित विवरण एवं शर्ते वैबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है एवं https://eproc.rajasthan.gov.in से अपलोड व देखे जा सकते है।

UBN No. : TBB2627SLOB00001

राज.संवाद/सी/26/833 सचिव

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2026/195 दिनांक :– 07.04.2026

:–ई–निविदा सूचना–2026–27:–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 20.04.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2627WSOB00861), (DLB2627WSOB00862) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/801 नगर परिषद, सुजानगढ

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

OFFICE OF JET COORDINATOR

No. :- F ( )/SKRAU/JET/Pre-PG/Ph.D/2026/16 Dated :- 13/04/2026

अधिसूचना (Notification)

जेट/प्री-पीजी/पीएचडी प्रवेश परीक्षा-2026 के तहत राजस्थान राज्य के कृषि/पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों और निजी विश्वविद्यालयों/कॉलेजों (राजस्थान सरकार द्वारा केवल कृषि के लिए अनुमति प्राप्त) द्वारा प्रस्तावित विभिन्न कृषि और संबद्ध डिग्री पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक 21 जून 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 18.04.2026 से 17.05.2026 तक और विलंब शुल्क के साथ 20.05.2026 तक JET की अधिकारिक वेबसाइट https://www.jetskrau2026.com पर भरा जा सकता है। अधिक जानकारी जैसे पात्रता, परीक्षा समय सारणी इत्यादि के लिए कृपया वेबसाइट पर उपलबध नियमावलियों (Guideline Booklets) का अवलोकन करें।

जेट समन्वयक

राज.संवाद/सी/26/814 जेट/प्री-पीजी/प्री-पीएचडी प्रवेश परीक्षा-2026

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2026-27/16 - 18 Date :- 10/04/2026

ई-निविदा सूचना संख्या : 05/2026-27

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 282.92 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 11.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 27.04.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 11.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से 27.04.2026 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 28.04.2026 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2627WSOB00007 To ITU2627WSOB00008

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/26/810

लेक्चरर को प्रमोशन के बजाय डिमोशन करके वापस वरिष्ठ शिक्षक बनाया?'

राजस्थान हाईकोर्ट ने इस विवादित आदेश पर स्टे देते हुए इसकी सुनवाई 16 अप्रैल को रखी

-कार्यालय संवाददाता-

■ **हाईकोर्ट ने रेट के रजिस्ट्रार को भी अदालत में सुनवाई के दौरान उपस्थित रहने को कहा है, क्योंकि याचिकाकर्ता का आरोप है कि ट्रिब्यूनल ने पहले तो उसे अंतरिम राहत दी, परंतु बाद में आदेश बदल दिया गया**

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने लेक्चरर को प्रमोशन देने के बजाय डिमोशन किए जाने के विवादित आदेश के खिलाफ दायर रिट याचिका में राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहने के आदेश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता लेक्चरर श्रवण लाल खोरवाल ने रेट ट्रिब्यूनल में अपील दायर की थी, जहां 8 अगस्त 2025 को सुनवाई के दौरान तत्कालीन चेयरपर्सन विकास सीतारामजी भाले व सदस्य चेतनराम देवड़ा ने उसे स्टे देते हुए अंतरिम राहत दी थी, परंतु बाद में इस आदेश को बदल दिया गया। जब यह मामला ट्रिब्यूनल में सूचीबद्ध ही नहीं थी, उसी दौरान इस प्रकरण में दूसरा आदेश याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी कर दिया गया, जो कि गैरकानूनी है।

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता युवराज सामंत पैरवी के लिए पेश हुए थे। प्रकरण की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश रवि चिराणिया ने राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को 6 मार्च 2026 को शपथपत्र देकर जवाब पेश करने के आदेश दिए थे। जिस पर 27 मार्च को रेट की ओर से शपथ पत्र के साथ जवाब पेश हुआ था। इस जवाब पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए हाईकोर्ट ने 16 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर रजिस्ट्रार को पेश होने के आदेश दिए थे।

मामले के तथ्यों के अनुसार याचिकाकर्ता श्रवण लाल खोरवाल वरिष्ठ अध्यापक ग्रेड 2 के पद पर नियुक्त हुए थे। वर्ष 2015 में इनका तबादला करते हुए उदयपुर से अजमेर लगा दिया गया था। वर्ष 2016-27 की डीपीसी में पदोन्नति मिली और उन्हें लेक्चरर बना दिया गया। तत्पश्चात वर्ष 2025 की डीपीसी में उन्हें उप प्राचार्य के पद पर पदोन्नति दी जानी थी, परंतु उसे वापस वरिष्ठ शिक्षक ग्रेड-2 के पद पर ही लगा दिया। साथ ही वर्ष 2016 में लेक्चरर पद पर किया गया प्रमोशन भी रद्द कर दिया।

ऐसे में इस प्रकरण की सुनवाई करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस रवि चिराणिया की एकलपीठ ने कहा कि, जब ट्रिब्यूनल ने याचिकाकर्ता के संबंध में 8 अगस्त 2025 को आदेश पारित किए, तब उसकी सुनवाई नहीं की गई। ऐसे में 17 जून 2025 को याचिकाकर्ता के डिमोशन आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगाते हुए इस प्रकरण की सुनवाई 16 अप्रैल को तय की है। साथ ही इस सुनवाई पर राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय प्राधिकरण (रेट) के रजिस्ट्रार को अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहने के आदेश दिए हैं।

रोडवेज कर्मचारी 16 अप्रैल को जयपुर में देंगे प्रदेशस्तरीय धरना

जयपुर । एटक-एआईटीयूसी से जुडी राजस्थान स्टेट रोडवेज एंप्लाइज यूनियन के आ ान पर गुरुवार, 16 अप्रैल को प्रातः 11 बजे जयपुर स्थित रोडवेज मुख्यालय पर प्रदेश स्तरीय विशाल धरना आयोजित किया जाएगा। इस महाधरने में सेवारत और सेवानिवृत्त दोनों ही वर्गों के कर्मचारी भाग लेकर अपनी ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के सामने आवाज बुलंद करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष एम.एल. यादव के अनुसार यह आंदोलन लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान के लिए किया जा रहा है। उनका कहना है कि उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। जिससे रोडवेज संचालन और कर्मचारियों की कार्य स्थितियां प्रभावित हो रही हैं। धरने में शामिल होने से पहले कर्मचारी जयपुर आगार से रैली के रूप में रवाना होकर रोडवेज मुख्यालय पहुंचेंगे। यूनियन ने सभी कर्मचारियों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

गर्भवती महिला से छेड़छाड़ करने वाले हिस्ट्रीशीटर की तलाश

-कार्यालय संवाददाता-

■ **वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है, वह मध्य प्रदेश के ग्वालियर का शातिर हिस्ट्रीशीटर है।**

जयपुर। शहर के मालवीय नगर थाना इलाके में गर्भवती महिला से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली गई है, जो मध्य प्रदेश के ग्वालियर का शातिर हिस्ट्रीशीटर निकला है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी राहुल गुर्जर ग्वालियर के सरसपुरा गांव (बिजौली) का निवासी है। उसके खिलाफ लूट, डकैती और मारपीट के कई गंभीर मामले पहले से दर्ज हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित एसआईटी टीम फिलहाल ग्वालियर में डेरा डाले हुए है और लगातार दबिश दे रही है। गौरतलब है कि 25 मार्च को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें आरोपी बीच सड़क पर एक गर्भवती महिला के पास पीछे से पहुंचकर उससे छेड़छाड़ करता दिखाई दिया। महिला के विरोध करने पर आरोपी मौके से फरार हो गया था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की गई। पीड़िता ने भी घटना की सूचना पुलिस को दी थी। हालांकि, प्रारंभिक स्तर पर लापरवाही बरतने के आरोप में जवाहर सर्किल थाना के एएसआई महेश चंद्र और हेड कांस्टेबल अंगद राम मीणा को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि दोनों ने आरोपी को पकड़ने के बाद बिना कार्रवाई के छोड़ दिया था।

मुख्यमंत्री ने किया छात्राओं के साथ वर्चुअल संवाद

मुख्यमंत्री ने छात्राओं के अनुभव सुने, आत्मनिर्भर बनने का किया आव्हान

■ **प्रधानमंत्री मोदी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए हैं, इससे संसद-विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा : भजनलाल शर्मा**

जयपुर (कासं) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण निर्णायक कदम है। इस अधिनियम के माध्यम से आधी आबादी अब निर्णय लेने की मुख्य भूमिका भी निभाएगी। इससे महिलाएं योजना एवं बजट बनाने सहित देश के हर अहम निर्णय में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि बेटियों का दृढ़ आत्मविश्वास ही विकसित भारत के सपने को हकीकत में बदलेगा। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेशभर की छात्राओं के साथ संवाद कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाए हैं। इससे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में अग्रणी हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम उनके लिए संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा। छात्राएं आत्मनिर्भर बनने के साथ ही समाज और प्रदेश के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दृढ़ आत्मविश्वास के जरिए पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रदेश की वित्त मंत्री दिया कुमारी के कार्यों को महिला शक्ति का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से जुड़ी मेडिकल, इंजीनियरिंग, डेटा साइंस सहित विभिन्न शिक्षण क्षेत्रों की छात्राओं से संवाद कर उनके कार्यक्षेत्र के अनुभवों और महिला सशक्तीकरण के सुझावों को सुना। शर्मा ने पचपदरा में केमिकल इंजीनियर श्रेया के चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र के चयन की सराहना करते हुए उनकी हौसला अफजाई की। ऑस्ट्रेलिया में डेटा साइंस की छात्रा तारुषी ने मुख्यमंत्री को स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत मिली आर्थिक सहायता के लिए धन्यवाद दिया। मेयो गर्ल्स कॉलेज की छात्रा नव्या ने कहा कि इस अधिनियम ने महिलाओं को नीति निर्माण में सशक्त भागीदारी का मौका दिया है। कार्यक्रम में छात्राओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्कूल के खेल मैदान की भूमि का आवंटन रद्द करने पर रोक

-कार्यालय संवाददाता-

■ **सीकर के बाजौर स्थित सरकारी स्कूल का मामला**

■ **हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, स्थानीय कलेक्टर, शिक्षा विभाग और स्कूल समिति को नोटिस जारी कर जवाब मांगा**

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सीकर के बाजौर स्थित सरकारी स्कूल के खेल मैदान के लिए आवंटित की गई भूमि का आवंटन रद्द करने वाले स्थानीय कलेक्टर के गत 5 फरवरी के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, स्थानीय कलेक्टर, शिक्षा विभाग और स्कूल समिति को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश अशोक कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता केतन धाभाई ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने साल 2023 में स्कूल के खेल मैदान के लिए 2 हेक्टेयर जमीन आवंटित की थी। वहीं स्कूल के प्रिंसिपल ने स्कूल विकास समिति के साथ बैठक का हवाला देते हुए कलेक्टर को पत्र लिखा कि यह जमीन स्कूल से चार सौ मीटर दूर स्थित है। जिसके कारण विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पडती है। इस पत्र के आधार पर कलेक्टर ने गत पांच फरवरी को इस भूमि का आवंटन रद्द कर दिया, लेकिन बदले में दूसरी जमीन आवंटित नहीं की। याचिका में कहा गया कि आवंटन रद्द करने के अल्प समय बाद ही इस जमीन को मैसर्स बाजोर डेजर्ट सफारी एंड रिसोर्ट को आवंटित कर दी। याचिका में कहा गया कि निजी कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए स्कूल के खेल मैदान का आवंटन रद्द किया गया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने आवंटन रद्द करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

छह पुलिसकर्मियों को मिला कांस्टेबल ऑफ द मंथ अवॉर्ड

जयपुर । जयपुर जयपुर कमिश्नरेट में मार्च 2026 माह के लिए उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को 'कांस्टेबल ऑफ द मंथ' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने आयोजित समारोह में इन पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि कांस्टेबल राहुल कुमार ने एक मामले में सीडीआर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं कांस्टेबल सुनील कुमार (कार्यालय पुलिस उपायुक्त पश्चिम) ने अंतरराज्यीय गैंग के दो इनामी आरोपियों को तकनीकी विश्लेषण के जरिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गिरफ्तार कराने में अहम योगदान दिया। इसके अलावा कांस्टेबल कमलेश कुमार (जालूपुरा थाना, जिला उत्तर) ने रात्रि गश्त के दौरान गुम हुए 50-60 हजार रुपए से भरे पर्स को खोजकर संबंधित व्यक्ति को लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया, कांस्टेबल अनिल कुमार ने लंबे समय से लंबित 10 स्थायी वारंट और 5 गिरफ्तारी वारंट का सफल निष्पादन किया। साथ ही कांस्टेबल संदीप कुमार ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में कडी मेहनत और निष्ठा से कार्य किया और कांस्टेबल राकेश कुमार शर्मा ने विभिन्न प्रमुख आयोजनों-जैसे त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की।

खरीफ-2025 में अल्पकालीन फसली ऋणों की भुगतान तिथि बढ़ाई

■ **सरकार की इस राहत से 5.57 लाख किसानों को मिलेगा लाभ**

जयपुर । राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ-2025 में वितरित अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋणों की अदायगी तिथि आगे बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है। राज्य सरकार के इस निर्णय से 5.57 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम कुमार दक ने बताया कि इस सम्बन्ध में वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा पैक्स/लैम्प्स के माध्यम से खरीफ-2025 में ऋण प्राप्त करने वाले किसान अब 15 मई, 2026 अथवा ऋण लेने की दिनांक से 12 माह, जो भी पहले हो, ऋण राशि चुका सकेंगे।

पूर्व में ऋण चुकाने की अवधि 31 मार्च, 2026 निर्धारित थी, जिसे आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी। राज्य सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए किसानों को बड़ा तोहफा दिया है।

दक ने बताया कि तिथि आगे नहीं बढ़ाये जाने पर लगभग 5.57 लाख किसानों पर बकाया लगभग 2184 करोड़ रुपये का ऋण अवधिपार हो जाता। ऐसी स्थिति में इन किसानों को शून्य ब्याज दर पर फसली ऋण सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता। साथ ही, ऋण अवधिपार होने की स्थिति में उन्हें 2 प्रतिशत पेनल्टी का भुगतान भी करना पड़ता। सहकारिता मंत्री ने किसानों से इस विस्तारित अवधि का लाभ प्राप्त करते हुए ऋणों का चुकारा कर शून्य ब्याज दर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

सुर्खियां बटोरने के लिए गलत बयानबाजी कर रहे अशोक गहलोत : दिलावर

राज्य सरकार नियम-क़ानून के तहत शीघ्र चुनाव के पक्ष में है : शिक्षा मंत्री

■ **दिलावर ने कहा "100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली" वाली कहावत चरितार्थ कर रहे गहलोत**

■ **होटलों में चली पिछली सरकार वाला दौर था कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन : दिलावर**

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत बौखलाए हुए हैं और बचकानी बातें कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा कानून एवं न्यायालयों का सम्मान करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी ओबीसी आयोग की रिर्पोट की सिफारिशों की अनुपालना के पश्चात ही चुनाव करवाये जाने के लिए निर्देशित किया है। सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होने पर सरकार उसका विस्तृत अध्ययन करेगी एवं विधिवेत्ताओं से राय लेकर ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ सुनिश्चित करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया से शीघ्र चुनाव संपन्न करवाएगी।

दिलावर ने कहा कि कांग्रेस ने तो 13 साल तक चुनाव कराए ही नहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को सत्ता में बनाये रखने के लिए 1975 में आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। वे हम पर न्यायालय की अवहेलना करने और कांस्टीट्यूशन ब्रेकडाउन के आरोप लगा कर सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं।

मदन दिलावर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने घर पर धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के सम्मान को तार-तार करने का काम किया था। अपने ही सहयोगी को नाकारा निकम्मा मक्कार जैसे अपमानजनक शब्दों से संबोधित किया था। वे अपने अपराधों का दोष एक लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार पर थोपकर एक घोर अपराध कर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी से ज्यादा लोकतंत्र की हत्या करने वाली पार्टी कोई नहीं है। अशोक गहलोत जी के जैसा राज्यपाल का असम्मान करने वाला कोई नहीं है। और अनगर्ल टिप्पणियां कर लोगों को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्क्रैप मैटेरियल बेचकर जयपुर मंडल ने 78 करोड़ रु. कमाए

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर रेल मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में स्क्रैप बिक्री के माध्यम से राजस्व सृजन करते हुए 78.40 करोड़ का राजस्व अर्जित कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह जयपुर मंडल द्वारा किसी एक वित्त वर्ष में अब तक की सर्वाधिक बिक्री है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जयपुर मंडल को स्क्रैप बिक्री के माध्यम से 65 करोड़ के राजस्व सृजन का लक्ष्य दिया गया था। मंडल ने न केवल इस लक्ष्य को प्राप्त किया, बल्कि इसे 20.62 प्रतिशत से अधिक पार करते हुए उल्लेखनीय सफलता दर्ज की। यह उपलब्धि पिछले वित्त वर्ष में बेचे गए 26.54 करोड़ के स्क्रैप मैटेरियल की तुलना में लगभग 3 गुना है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर पूजा मित्तल ने बताया कि जयपुर मंडल द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 22,261 मीट्रिक टन स्क्रैप का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। जिससे रेलवे को 78.40 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। जयपुर रेल मंडल की यह उपलब्धि न केवल आर्थिक मजबूती का संकेत है, बल्कि सुरक्षित, स्वच्छ एवं आधुनिक रेलवे प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। स्क्रैप मैटेरियल का समयबद्ध निष्पादन केवल राजस्व बढ़ाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि रेलवे सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण पहलू भी है। मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन ने इस उपलब्धि पर मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता 'मिशन जीरो' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सहकार मसाला मेले की तैयारियों पर चर्चा

जयपुर (कासं)। सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा जवाहर कला केन्द्र में 17 से 26 अप्रेल तक 'राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2026' का आयोजन होगा। सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां डॉ. समित शर्मा ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में मेले की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

सहकारिता विभाग के शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने मसाला मेले की तैयारियों पर चर्चा की।

■ **जवाहर कला केन्द्र में 17 से 26 अप्रेल तक होगा आयोजन**

शासन सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले का आयोजन सहकारिता विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह मेला अब जयपुर की विशिष्ट पहचान बन चुका है, जिसका जयपुरवासियों को बेसब्री से इंतजार रहता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले को आगन्तुक ग्राहकों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। मेले में फुटफॉल बढ़ाने के लिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, मेले में ऑर्गेनिक उत्पादों व श्रीअन्न उत्पादों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने मेले में स्टॉल्स की संख्या में वृद्धि करने के भी निर्देश दिए।

डॉ. शर्मा ने निर्देश दिए कि मेले में नवाचारों का भी व्यापक रूप से समावेश किया जाए, जिससे लोगों का मेले के प्रति आकर्षण बढ़े। उन्होंने मेले में अपने उत्पाद प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए देश-प्रदेश से आने वाले प्रतिभागियों के लिए आवास व परिवहन सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेले में प्रतिदिन आयोजित होने वाली सांस्कृतिक संध्या में राज्य की लोक कलाओं का समावेश करते हुए कार्यक्रमों को अधिक आकर्षक बनाने के भी निर्देश दिए। शासन सचिव ने कहा कि मसाला मेला सहकारी संस्थाओं, महिला समूहों एवं स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के व्यवसाय, बिक्री एवं प्रचार के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करता है।

इन संस्थाओं को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए वर्षपर्यंत प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाने पर भी विचार किया जाए। बैठक में मेले के संबंध में गठित विभिन्न कमेटियों के प्रभारी अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सफाई सेवा मैराथन शुरू करेगा निगम

जयपुर । नगर निगम जयपुर की स्वच्छता रैकिंग में सुधार लाने के साथ सफाई में बेहतर कार्य करने के लिए योजना बना रहा है। इसी दिशा में निगम शनिवार से विशेष सफाई अभियान चलाएगा। सफाई सेवा मैराथन के आगाज के साथ हर अधिकारी जयपुर को स्वच्छ-सुंदर बनाने के लिए फील्ड में काम करेगा। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर सफाई के प्रति सजगता बरतने के निर्देश दिए। आयुक्त ने निगम अधिकारियों को सफाई कार्यो को लेकर मोटिवेट किया और बैठक में अधिकारियों को सफाई में जयपुर को अव्वल बनाने के लिए बेहतर कार्य योजना बनाने को कहा। निगम आयुक्त ने सफाई सेवा मैराथन को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। निगम आयुक्त ने बैठक में कहा कि हर अधिकारी-कर्मचारी का एक ही लक्ष्य स्वच्छ जयपुर सुंदर जयपुर होना चाहिए।

सफाई कार्य को लेकर अब सीएसआई की भी रैंकिंग तय होगी। प्रथम, दूसरे और तीसरे नम्बर पर रहने वाले सीएसआई को स्वच्छता हीरो के सम्मान से नवाजा जाएगा।

26 साल पुराने मालपुरा सांप्रदायिक दंगा मामले के 10 आरोपी दोषमुक्त

-कार्यालय संवाददाता-

■ **10 जुलाई 2000 को मालपुरा में हुए साम्प्रदायिक दंगे में चार जनों की हत्या का मामला**

■ **इस मामले में ज्यादातर गवाह पक्षद्रोही हो गए थे और आरोपियों के खिलाफ हत्या व हत्या का प्रयास साबित नहीं होने के कारण कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया।**

जयपुर । शहर की साम्प्रदायिक दंगा मामलों की विशेष कोर्ट ने करीब 26 साल पहले 10 जुलाई, 2000 को मालपुरा में हुए साम्प्रदायिक दंगे में चार जनों की हत्या के मामले में दस आरोपियों को संदेह लाभ में दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने मोहम्मद इम्तियाज, अब्दुल रज्जाक, साजिद अली, फहीम अहमद, ईशाक, अब्दुल वाहिद, रकीब अहमद, मुनीर, रऊफ व नवाब को दोषमुक्त किया है। इस मामले में ज्यादातर गवाह पक्षद्रोही हो गए थे और आरोपियों के खिलाफ हत्या व हत्या का प्रयास साबित नहीं होने के कारण कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

आरोपियों के अधिवक्ता वाहिद नकवी ने बताया कि आरोपियों की शिनाख्त नहीं हो पाई थी और जेल से पहले ही पुलिस थाने में उनकी पहचान उजागर हो गई थी। जिन अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच लंबित थी, उनके खिलाफ नई साक्ष्य ही पेश नहीं हो पाई थी। जिन हथियारों से हत्या होने का दावा किया गया था, उन पर खून ही नहीं था। ऐसे में अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ हत्या व हत्या का प्रयास का आरोप साबित ही नहीं कर सके। वहीं ज्यादातर गवाह पक्षद्रोही भी हो गए। इसके चलते ही कोर्ट ने दस आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। गौरतलब है कि जुलाई 2000 को परिवादिया मंजू देवी ने मालपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जीप में जाते समय उन पर हमला हुआ। इस हमले में 4 जनों की मौत हुई और दो लोग घायल हो गए।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई

जयपुर । भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वी जयंती के अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मण्डल कार्यालय में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ के मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित ने बाबा साहेब के विचारों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि बाबा साहेब एक विलक्षण प्रतिभा के धनी थे जिन्होंने भारतवर्ष के प्रत्येक जरूरतमंद इंसान के जीवन मे रोशनी देने का काम किया है।

मानसरोवर-श्याम नगर में हुक्का बार पर छापा

पुलिस ने 3 संचालकों को गिरफ्तार कर 17 लोगों के चालान काटे

जयपुर । गुलाबी नगरी में अवैध रूप से संचालित हुक्का बार के खिलाफ जयपुर पुलिस ने बुधवार को सख्त कार्रवाई करते हुए मानसरोवर और श्याम नगर थाना क्षेत्रों में तीन स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान 3 संचालकों को गिरफ्तार किया गया, जबकि हुक्का पीते पाए गए 17 लोगों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत चालान किए गए।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गठित पुलिस टीम ने मानसरोवर स्थित 'इक्का क्लब', 'हॉट हाउस ट्रीट कैफे' और श्याम नगर स्थित 'एलटेरो कैफे 2.0' पर दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कुल 14 हुक्के, बड़ी मात्रा में तंबाकू फ्लेवर सहित अन्य सामग्री जब्त की गई।

संजीव नैन ने बताया कि मानसरोवर में 'कांसेप्ट आरएनए ' कोचिंग संस्थान की चौथी मंजिल पर संचालित 'हॉट हाउस ट्रीट कैफे लाउंज' में खाने-पीने की आड़ में युवाओं को

अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा था। पुलिस ने मौके से संचालक प्रकाश वासवानी को गिरफ्तार कर 10 हुक्के और तंबाकू फ्लेवर जब्त किए।

इसके अलावा न्यू आतिश मार्केट स्थित 'इक्का क्लब' पर कार्रवाई करते हुए मैनेजर हनुमान (निवासी खैरथल) को गिरफ्तार किया गया और वहां से भी हुक्का सामग्री बरामद की गई।

वहीं श्याम नगर थाना पुलिस ने 'एलटेरो कैफे 2.0' पर छापा मारकर संचालक यश कुमार को गिरफ्तार किया। यहां से 4 हुक्के, चिलम, पाइप और नशीले तंबाकू फ्लेवर के डिब्बे बरामद किए गए। मौके पर हुक्का पीते मिले 7 व्यक्तियों के खिलाफ कोटपा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने इस पूरे अभियान के दौरान 3 अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम 2000 और कोटपा अधिनियम 2019 (संशोधित) की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई शुरू की है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि युवाओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले अवैध हुक्का बार संचालकों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

वसुंधरा हॉस्पिटल पर 15 लाख का जुर्माना

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग जालोर के पीठासीन अधिकारी धनश्याम यादव ने वसुंधरा हास्पीटल जोधपुर के चिकित्सा लापरवाही से एक महिला की मौत होने पर पन्द्रह लाख रूपये का मुआवजा देने एवं इलाज मे खर्च 51662 रूपये सहित दस हजार का जुमाना अदा करने का आदेश दिया। परिवादी जोयब खान पुत्र सरफराज खान निवासी जालोर ने उपभोक्ता आयोग के समक्ष अपनी माता के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि उसकी माता जोधपुर मे रहती थी, उस दौरान उसकी माता को मई 2022 में पेट दर्द की शिकायत पर वसुंधरा हास्पिटल जोधपुर ले जाया गया, जहां पित्ताशय (गॉल ब्लैडर) की पथरी का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान और बाद में उचित चिकित्सा प्रबंधन नहीं किया गया, जिससे मरीज की हालत बिगड़ती गई। बाद में जांच में गंभीर त्रुटियां सामने आईं और लगातार बिगडती हालत के बीच 14 जून 2022 को उसकी माता की मृत्यु हो गई। परिवादी ने इसे चिकित्सकीय लापरवाही बताया। आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद अस्पताल प्रबंधन व संबंधित डॉक्टरों को दोषी मानते हुए आदेश जारी किया। आयोग के अध्यक्ष धनश्याम यादव व सदस्य निरंजन शर्मा ने आदेश दिया कि अस्पताल व संबंधित चिकित्सकों की लापरवाही से मरीज की मौत हुई इसलिए वसुंधरा हास्पीटल जोधपुर परिवादी को मानसिक व शारीरिक क्षति के लिए 15 लाख रुपये मुआवजा देने के निर्देश दिए गए। वहीं इलाज में खर्च हुई राशि 51,662 रुपये भी लौटाने का आदेश के साथ परिवाद व्यय के रूप में अतिरिक्त दस हजार रुपये देने का आदेश दिया। सभी राशि 45 दिन के भीतर अदा करने के निर्देश दिये, अन्यथा नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज लागू होगा। आयोग ने स्पष्ट माना कि मामले में चिकित्सा लापरवाही (मेडिकल नेग्लिजेंस) हुई है, जिसके चलते यह निर्णय दिया गया। यह फैसला चिकित्सा सेवाओं की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मां चामुण्डा के जयकारे गूंजे

बालोतरा, (निसं)। पचपदरा के चामुण्डा चौक स्थित प्राचीन शक्तिपीठ चामुण्डा माता मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य की श्रंखला में बुधवार को गाजे बाजे व ढोल ढमाके के साथ शुभ मुहूर्त में देवी प्रतिमा को मूल स्थान से अन्यत्र विराजमान किया गया। आचार्य वीरेंद्र कृष्ण द्रौगादत्ती की निश्रा में वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ जयकारों से गूंजते माहौल में प्रतिमा को दत्ताराम, दीपक कुमार, अशोक कुमार पुत्र सोहनराज राठौड के निवास में अस्थायी रूप से स्थापित किया गया। इस दौरान महिलाओं ने देवी महिमा से ओतप्रोत हरजस व भजनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्री खारवाल समाज के अध्यक्ष कमलेश कुमार जापाणी ने बताया कि मंदिर का कार्य पूर्ण होने व प्राण प्रतिष्ठा तक प्रतिमा यहीं विराजित रहेगी और सुबह- सांयकालीन आरती व पूजा अर्चना नियमित रूप से विधिवत जारी रहेगी। प्रतिमा स्थापना के बाद लापसी का भोग चढ़ाकर व आरती कर प्रसादी वितरित की गई। श्रद्धालुओं ने सुख समृद्धि की मनोकामनाएं की। इस अवसर पर श्री खारवाल समाज के अध्यक्ष कमलेश कुमार जापाणी, पंचायत समिति बालोतरा के पूर्व प्रधान गोविन्दराम खारवाल, समाज उपाध्यक्ष दिनेश कुमार राठौड, कोषाध्यक्ष रामचन्द्र दावरिया, राष्ट पति पुरस्कार अवार्डी शिक्षाविद दत्ताराम राठौड, भाजपा मण्डल महामंत्री अमित सिंह राठौड, कानराज राठौड, शेरसिंह राठौड, एडवोकेट सुरेश नारायण खारवाल, श्री सांभरा आशापुरा माता मंदिर ट्रस्ट मण्डल देव? के सचिव एडवोकेट महेश कुमार खारवाल, ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट सम्पतसिंह राठौड, सोहनसिंह सिसोदिया, हनुमान सिंह चौहान, घनश्याम चौहान, नीरज सिसोदिया, ओमप्रकाश चौहान, राधाकिशन वीराणी सहित बडी संख्या में प्रबुद्धजन व भक्त भाविक मौजूद रहे।

काव्य कलश की गोष्ठी संपन्न

जोधपुर, (कासं)। साहित्यिक संस्था- ''काव्य-कलश'' की गोष्ठी पावटा सी रोड स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। गोष्ठी में सोलह उदीयमान एवं नामवर कवि, कवयित्रियों व शायरों ने कई मिजाज के कलाम पेश किए। ढाई घंटे तक चली गोष्ठी में शायर असरार आहिल ने-'' मकां जिस तरह यह टूटा है, उसका दर नहीं मिलता.. पेशकर फिजा में रंग घोली। प्रसिद्ध कवि श्याम गुप्ता शान्त ने कविता- दो रोटी तथा बोतल चवालीसा सुना कर मंत्रमुग्ध कर दिया। शायर अशफ़ाक अहमद फौजदार ने गजल- मसीहा तन्हा खड़ा दिखा गली के मोड़ पर..सुनाकर वाहवाही लूटी। राजेश मोहता की रचना ने दिल को छू लिया। राजेंद्र खिंवसरा राज ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए-जब से तेरी सोहबत मुझको सुनाकर सबको मोहित कर दिया। पंकज बिंदास के गाए गीत- जिंदगी एक सफर है सुहाना ने दिलों को झंकृत कर दिया। डॉ. तृप्ति गोस्वामी काव्यांशी की रचना-मत सरपट भाग, समय पलट आ को सबने सराहा। जुगल सारस्वत ने कुत्ते सार्थक कविता सुनाई। डॉ. उमेश दाधीच ने संस्था- ''काव्य-कलश '' के सभी किरदारों पर रोशनी डालकर सबको मदमस्त कर दिया। पहली बार शिरकत कर रही कवयित्री शुचि गुप्ता ने दो कविताएं-'' स्त्रियां'' व '' जहां ख्वाब न देखे जाएं'' सुनाई। प्रख्यात एडवोकेट व कवि एन. डी. निंबावत, डॉ. छगन राज राव, हंसराज हंसा, हरसहाय हर्ष मीणा ने गांव की व्यथा तथा उभरते कवि नंदलाल भाटी ने कलयुग की सच्चाई सुनाई। श्रोताओं में हिमांशु लाहोटी व मंजू कंवर उपस्थित रहे। संस्था के सचिव श्याम गुप्ता शान्त ने आगंतुकों का स्वागत-सत्कार व आभार किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े आज आएंगे

जालोर, (कासं)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े 16 अप्रैल को जालोर जिले के दौरे पर रहेंगे। जहां वे शहीद स्मारक व जालोर नागरिक सहकारी बैंक कार्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। प्राप्त कार्यक्रमानुसार राज्य के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े 16 अप्रैल, गुरुवार को प्रातः 8.45 बजे जयपुर से स्टेट हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर प्रातः 10.20 बजे वीर वीरमदेव राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में बनाए गए हेलीपैड पर उतरेंगे। प्रातः 10.25 बजे हेलीपैड से रवाना होकर पुलिस लाइन जालोर के पास स्थित शहीद स्मारक पहुंचेंगे जहां वे शहीद स्मारक का लोकार्पण करेंगे। तत्पश्चात् वहां से रवाना होकर प्रातः 10.45 बजे राजेंद्र नगर रोड़ जालोर पर क्लब के पास स्थित जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड कार्यालय पहुंचेंगे तथा बैंक कार्यालय का लोकार्पण करेंगे। इसके उपरांत वे जालोर क्लब सभागार पहुंचेंगे तथा जालोर नागरिक सहकारी बैंक द्वारा आयोजित समारोह में शिरकत करेंगे। दोपहर 12.50 बजे जालोर क्लब से रवाना होकर कॉलेज परिसर में बनाए गए हेलीपैड स्थल पर पहुंचेंगे तथा दोपहर 1 बजे स्टेट हेलीकॉप्टर द्वारा जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने राज्यपाल के यात्रा कार्यक्रम के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंप कर आवश्यक निर्देश दिए हैं तथा यात्रा कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर भीनमाल डॉ. पूजा सक्सेना को समग्र प्रभारी बनाया हैं।

व्यावसायिक भूखंडों के लिए उत्साह

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी के कुशल निर्देशन में प्राधिकरण द्वारा आयोजित भव्य ई-नीलामी के अन्तर्गत बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना के 02 आवासीय भूखण्ड एवं ग्राम चैखा खसरा संख्या 701 के 02 व्यावसायिक भूखण्ड़ों का विक्रय किया गया। ग्राम चैखा स्थित व्यावसायिक भूखण्ड़ों की भव्य ई-नीलामी में प्राधिकरण को अब तक 106000/-रू प्रति वर्गमीटर की उच्चतम बोली दर प्राप्त हुई है। प्रभारी अधिकारी नीलामी शाखा दिनेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा गुरूवार, 16 अप्रैल को पंडित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना के भू.सं. 182 व 183 एवं ग्राम चौखा खसरा संख्या 701 स्थित व्यावसायिक भू.सं. 31 एवं 34 तथा शुक्रवार, 17 अप्रैल को पंडित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना के भू.सं. 198 व 203, ग्राम चैखा खसरा संख्या 701 व्यावसायिक भू.सं. 40 एवं अरणा विहार योजना के भू.सं. ए-159 की ई-नीलामी की जाएगी। ई-नीलामी के समस्त भूखण्डों एवं ई-नीलामी से संबंधित विस्तृत जानकारी, नियम एवं शर्तें प्राधिकरण की वेबसाईट पर देखी जा सकती हैं।

कुएं में गिरा ग्रामीण नहीं मिला

जोधपुर, (कासं)। जिले के लूणी उपखंड के नंदवान गांव में एक व्यक्ति मंगलवार को कुएं में गिर गया। उसकी तलाश आज दूसरे दिन भी जारी रही। जानकारी के अनुसार मुनाराम खदाव नामक व्यक्ति मंगलवार रात कुएं में गिर गया, जिसके बाद से लगातार उसे बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंच गईं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। दोनों टीमें आज कुएं में व्यक्ति की तलाश में जुटी रहीं, लेकिन दोपहर बाद तक सफलता नहीं मिल पाई है। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बार-बेंच के समन्वय से ही न्याय व्यवस्था मजबूत : बन्नालाल

जालोर अभिभाषक संघ ने सैशन न्यायाधीश बन्नालाल जाट का अभिनंदन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। अभिभाषक संघ जालोर की ओर से बुधवार को नव पदस्थापित जिला एवं सेशन न्यायाधीश बन्नालाल जाट के सम्मान में अभिनन्दन समारोह का आयोजन अभिभाषक संघ सभागार में किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष खसाराम परिहार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने माला व सांफा पहनाकर उनका स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए सेशन जज बन्नालाल जाट ने कहा कि बार और बेंच न्याय रूपी रथ के दो पहिये हैं। यदि इनमें से कोई एक भी पहिया कमजोर या असंतुलित होता है, तो न्याय व्यवस्था प्रभावित हो जाती है। उन्होंने कहा कि न्यायिक कार्यों को गति देने के लिए बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग आवश्यक है। स्वागत उदबोधन में अभिभाषक संघ अध्यक्ष खसाराम परिहार ने कहा कि जालोर की बार सदैव सहयोगी प्रवृत्ति के साथ कार्य करती रही है। उन्होंने नव नियुक्त सेशन जज को भरोसा दिलाया कि न्यायिक कार्यों में बार की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष अशोक माली, सचिव विक्रमसिंह सियाणा, कोषाध्यक्ष मनमोहन राठौड, सह सचिव फरमान अली, सह कोषाध्यक्ष महेश कुमार रजक, पुस्तकालय अध्यक्ष ज्योत्सना राजपुरोहित सहित अधिवक्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट अश्विन राजपुरोहित ने किया।

इस अवसर पर सीजेएम प्रिया टावरी, एसीजेएम प्रथम राजेंद्रसिंह चारण, एसीजेएम द्वितीय अंकित दवे, किशोर न्याय बोर्ड के प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार, ट्रेनी मजिस्ट्रेट प्रियंका बैरवा, अलीशा मंसूरी, पारुल जैन, अक्षिता जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता बसंत कुमार गहलोत, अशोक जोशी, नैनसिंह सांथू, चुन्नीलाल राजपुरोहित, गोपालसिंह सांकरना, सरदार खान खोखर, मनोहरसिंह जोधा, अमिताभसिंह, तरुण सोलंकी, मुमताज अली सैयद, गोकुल परिहार, रमेश सोलंकी, तेजसिंह बालावत, ओमप्रकाश व्यास, सतपाल पुरोहित, पदमसिंह भाटी, दौलत बाराडा, भवानीसिंह, प्रवीण चौहान, अनिल पंडत, मंगलसिंह, संतोष भारती, सोहन चौहान, प्रवीण भादरू, रणजीतसिंह, दिनेश कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

यादव की गजब कार्यशैली, दो जिलों का भार व प्रधानमंत्री के दौरे की बड़ी जिम्मेदारी भी

बालोतरा, (निसं)। राजस्थान में सत्ता परिवर्तन के साथ ही बालोतरा व बाडमेर जिले की कमान संभालने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सुशील कुमार यादव इन दिनों अपनी बेहतरीन कार्यशैली और प्रशासनिक कौशल को लेकर चर्चा में हैं। पिछले 27 महीनों से जिले में तैनात यादव न केवल बालोतरा बल्कि अतिरिक्त प्रभार के साथ दोहरी जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

पीएम मोदी के दौरे को लेकर अलर्ट मोड पर प्रशासन:- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित बालोतरा दौरे को लेकर जिला कलेक्टर पूरी तरह से एक्टिव नजर आ रहे हैं। इस हाई-प्रोफाइल दौरे को सफल बनाने के लिए सुशील कुमार यादव खुद कमान संभाले हुए हैं। वे हर स्तर पर फीडबैक ले रहे हैं और सुरक्षा से लेकर आमजन की सुविधाओं तक की पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करवा रहे हैं।

पहली पोस्टिंग में जमाई धाक:- बतौर कलेक्टर यह सुशील कुमार यादव की पहली पोस्टिंग है, लेकिन उनके काम करने के अंदाज ने सभी को प्रभावित किया है। उनकी सबसे ब?ी खूबी बेहतर टीम वर्क मानी जा रही है। उन्होंने जिले के तमाम आला अधिकारियों के साथ ऐसा तालमेल बिठाया है कि जटिल से जटिल प्रशासनिक कार्य भी सुगमता से पूरे हो रहे हैं।

बालोतरा जिले में 27 महीनों का सफल कार्यकाल पूरा करना उनकी प्रशासनिक स्थिरता को दर्शाता है। दोहरा कार्यभार वर्तमान में दो जिलों के दायित्वों को संभालते हुए भी वे फील्ड में लगातार सक्रिय हैं। बारीकी पर नजर- पीएम दौरे की तैयारियों में वे बारीकी से हर बिंदु का निरीक्षण कर रहे हैं ताकि कोई चूक न रह जाए।

बालोतरा की जनता और प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा आम है कि सुशील कुमार यादव ने अपनी पहली ही कलेक्टरी में यह साबित कर दिया है कि बेहतर विजन और टीम भावना से किसी भी चुनौती को अवसर में बदला जा सकता है। अब सबकी निगाहें प्रधानमंत्री के सफल दौरे पर टिकी हैं, जिसकी तैयारी में कलेक्टर दिन-रात जुटे हुए हैं।

उपलब्धि पाई

जोधपुर, (कासं)। ऊर्जा संकट और बढ़ती वैश्विक मांग के बीच आईआईटी जोधपुर के वैज्ञानिकों ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नई तकनीक विकसित की।

बार एसोसिएशन पाली ने अंबेडकर विचार गोष्ठी की

पाली में भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन परिचय एवं जीवंत व्यक्तित्व पर विचार गोष्ठी का आयोजन अधिवक्ता चैम्बर्स हॉल में किया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। बुधवार को भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर के जीवन परिचय एवं जीवंत व्यक्तित्व पर विचार गोष्ठी का आयोजन अधिवक्ता चैम्बर्स हॉल में हुआ।

जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष पी एम जोशी ने विज्ञिप्त जारी कर बताया कि गोष्ठी की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार द्वारा की गयी ! डॉ अम्बेडकर का माल्यार्पण कर मुख्य वक्ता के रूप में कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि 'संविधान के ही प्रावधानों के तहत न्यायालयों में अमीर-गरीब या पद के आधार पर कोई भेदभाव या असमानता नहीं होती है ! लोकतंत्र का मूल बाबा साहब द्वारा समता-स्वतंत्रता-बंधुत्व पर आधारित जीवन होना बताया। अध्यक्ष जोशी द्वारा संबोधित करते हुए बताया कि सभी तत्समय उपेक्षित वर्गों महिलाओं-श्रमिकों-दलितो के उत्थान के लिये बाबा साहेब द्वारा कार्य किये थे। कहा कि बाबा साहब के सिद्धांत किसी वर्ग विशेष के लिए नहीं अपितु समस्त नागरिकों के कल्याण के लिए था। आज के युग में उन सिद्धांतों को और भी प्रासंगिक बनाने की आवश्यकता हैं। !हिंदु बिल महिलाओं के अधिकारो की वकालत का बाबा साहेबद्वारा लागु करवायाथा। इस आयोजन में लोक अभियोजक सुमेर सिंह राजपुरोहित ने प्रथम विधि मंत्री की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए देश का महान संवैधानिक योद्धा बताया।

गोष्ठी को अधिवक्ता प्रतापचंद चौहान, राजुराम परमार, मंशाराम हटेला, कुंदन चौहान, सद्दाम काजी, हेमाराम परिहार, प्रवीण साहू,मुकेश आर्य, आशा पूनड रिंकु चौहान ने संबोधित किया। लगभग 100 से अधिक अधिवक्ताओं वरिष्ठ अधिवक्ता सज्जन व्यास, विकास बंजारा,मगराज लवेरा, सुधीर कांकाणी सहित उपस्थित रह। कार्यक्रम संचालन मुकेश आर्य, कुंदन चौहान ने किया।

केंद्रीय विद्यालय का सौ प्रतिशत रिजल्ट

जालोर, (कासं)। सीबीएसई दसवीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम बुधवार को जारी हुआ। जिसमें पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, जालोर का परीक्षा परिणम सौ प्रतिशत रहा। सभी 55 छात्र सफल हुए हैं। विद्यालय प्राचार्या समेत स्टाफ ने खुशी व्यक्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बता दें कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सीबीएसई द्वारा 15 अप्रैल 2०26 को घोषित कक्षा-1० के परिणाम में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। विद्यालय का परिणाम 1००त्न रहा है, जहाँ कुल 55 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी और सभी 55 सफल हुए हैं।

इस उपलब्धि में 7 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। रचित कुमार सिन्हा ने 96.6 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शताक्षी सिंह 94.4 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय, दिशिका चौधरी 93.8 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर रहीं।

अन्य मेधावियों में भाविका (92.2प्रतिशत), विनीत पारीहर (91.०प्रतिशत), आदित्य शर्मा (9०.6प्रतिशत) और राहिल खान (9०.4प्रतिशत) शामिल हैं। विद्यालय के प्राचार्य गोपाल मीणा ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम कठिन परिश्रम, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों का फल है।

उन्होंने आगामी परीक्षाओं के लिए सभी छात्रों को शुभकामनाएं भी दी।

संविधान से मिला सम्मान व अधिकार : एम.डी. चोपदार

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की ओर से जयपुर में आयोजित संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन में जालोर के कई पदाधिकारियों ने भाग लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग कि ओर से जयपुर में आयोजित संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन में जालोर के कई पदाधिकारियों ने भाग लिया।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर जयपुर स्थित पीसीसी कार्यालय में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) द्वारा संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं कांग्रेसजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे पूरे आयोजन में उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार ने कहा कि आज भारत का प्रत्येक नागरिक जिस स्वतंत्रता के साथ जीवन जी रहा है, चाहे वह रोजगार चुनने की आजादी हो, अपने धर्म का पालन करने का अधिकार हो या अपनी जीवनशैली के अनुसार खाने-पीने की स्वतंत्रता, यह सब बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की देन है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। नव-नियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान :-इस अवसर पर विभाग की प्रदेश कार्यकारिणी के नव-नियुक्त पदाधिकारियों, सोशल मीडिया टीम तथा असम विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने वाली टीम का शाल ओढाकर, साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। प्रदेशभर से आए जिलाध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और अधिक सफल बनाया।

बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में प्रदेश के प्रत्येक जिले में सद्भावना सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, ताकि सामाजिक एकता और भाईचारे को और अधिक सुदृढ किया जा सके।

जालोर से प्रदेश संयोजक रज्जब खोखर, प्रदेश महासचिव अमीन मोयला, प्रदेश संयोजक सलीम मोयला, प्रदेश महासचिव इकबाल खां सहित कई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

'महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी'

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद एक दिवसीय दौरे पर पाली पहुंचे। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद एक दिवसीय दौरे पर पाली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यसमिति बैठक एवं प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को पूर्ण सम्मान, समान अधिकार और राजनीतिक भागीदारी दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आई है। इस अधिनियम के माध्यम से लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे मातृशक्ति को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी मिलेगी और देश के विकास में महिलाओं की भूमिका और अधिक मजबूत होगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव महिलाओं के उत्थान, आत्मनिर्भर भारत, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आज देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व पटल पर भारत की पहचान मजबूत हुई है।

उन्होंने आगामी 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पचपदरा दौरे को ऐतिहासिक बताते हुए सभी विधानसभाओ मे पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन की शक्ति और जनता के विश्वास का प्रतीक बनेगा। उन्होंन कहा विश्व मे तेल सकट मे भी आमजन को राहत प्रदान की जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया की

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, महामंत्री भूपेंद्र सैनी, नाहर सिंह जोधा, अजीत मदान, जिला प्रभारी श्याम शर्मा, जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, विधायक पुष्पेंद्र रणावत, विधायक शोभा चौहान, लक्ष्मीनारायण दवे, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र कुमावत, विनीता सेठ, ज्ञानचंद्र पारख, लक्ष्मी सिरवी, करण सिंह नेतरा, मंशाराम परमार, दिग्विजय सिंह,राठोड नारायण कुमावत, भरत त्रिवेदी, त्रिलोक चौधरी, देवीलाल मेघवाल, राकेश पंवार, महेंद्र बोहरा, प्रदेश प्रवक्ता अरविंद शर्मा सभी मडल अध्यक्ष व मंडल प्रभारी जिला पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि सहित कई जने उपस्थित रहे।

अवैध डोडा-पोस्त के साथ स्कॉर्पियो पकड़ी

बालोतरा, (निसं)। राजस्थान का नवगठित जिला बालोतरा इन दिनों अपराध और नशा तस्करों के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के लिए सुर्खियों में है। जिले की पुलिस टीम जिस मुस्तैदी से काम कर रही है। ताजा मामले में सूचना मिलते ही सिणधरी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए डोडा-पोस्त तस्करों के खिलाफ एक बडी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

एसपी के नेतृत्व में सटीक घेराबंदी पुलिस अधीक्षक रमेश के कुशल निर्देशन में बालोतरा पुलिस लगातार सक्रिय है। मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस डीएसटी टीम ने रणनीतिक तरीके से जाल बिछाया। जैसे ही तस्करों की गाडी पुलिस के रडार पर आई, टीम ने बिना समय गंवाए उन्हें दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार, 15 अप्रैल 2026 की सुबह डीएसटी और थाना सिणधरी की संयुक्त टीम द्वारा सरहद चाडो की ढाणी में नाकाबंदी की जा रही थी। इस दौरान बिना नंबर की एक सफेद स्कॉर्पियो को रुकवाने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर चालक ने गाडी को सडक से नीचे उतारकर भगाने की कोशिश की, लेकिन ऊबड-खाबड पत्थरों पर चढने के कारण गाडी के आगे के दोनों टायर फट गए और वाहन रेत में धंस गया। गाडी के फंसने के बाद उसमें सवार दो व्यक्ति रात्रि के अंधेरे और घनी झाडयों का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने जब वाहन की तलाशी ली, तो उसमें भारी मात्रा में अवैध डोडा पोस्त मिला, जिसका कुल वजन 429 किलो 19० ग्राम पाया गया। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम का नेतृत्व सिणधरी थानाधिकारी विशाल कुमार ने किया, जिसमें डीएसटी बालोतरा के कांस्टेबल शेम्भुराम की विशेष भूमिका रही। 429.19० किलो डोडा पोस्त और स्कॉर्पियो क्लासिक एस-11 थाना सिणधरी में मामला दर्ज कर लिया गया।

चोट काफी गंभीर थी और चेहरे के अंदरूनी हिस्से को ठीक करने के लिए बड़ी सर्जरी करनी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि स्थिति इससे ज्यादा खराब नहीं हुई।
- बेन स्टोक्स

इंग्लैंड टीम के कप्तान, अपनी चोट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विक्टर एक्सेलसन

बैडमिंटन की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई। डेनमार्क के दिग्गज खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने 32 साल की उम्र में पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। बता दें कि लंबे समय से चोट से जूझ रहे एक्सेलसन ने आखिरकार अपने शरीर की स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया है। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराई थी और उसके बाद लंबा पुनर्वास भी किया था, लेकिन अक्टूबर में उन्हें फिर से झटका लगा। इसके बाद से वह न तो ठीक से ट्रेनिंग कर पा रहे थे और न ही प्रतिस्पर्धी स्तर पर खेल पा रहे थे, जिसके चलते उन्हें मजबूर होकर यह कठिन निर्णय लेना पड़ा है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 1983 (कपिल देव) और 2011 (महेंद्र सिंह धोनी) में वनडे विश्व कप जीता है। साथ ही, 2007 में पहला टी-20 विश्व कप भी भारत के नाम रहा।

बेंगलुरु ने दर्ज की चौथी जीत, लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया

बेंगलुरु, 15 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। लखनऊ की टीम 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 146 रन ही बना सकी। इसके जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोहली और रजत की दमदार पारियों की बदौलत 29 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 15.1 ओवर में 5 विकेट खोकर 149 रन बनाए। बेंगलुरु के लिए कोहली ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। लखनऊ के लिए प्रिंस यादव ने तीन विकेट लिए।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 146 रन बनाए। लखनऊ की ओर से सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने सर्वाधिक 40 रन बनाए, जबकि मुकुल चौधरी ने 39 और आयुष बडोनी ने 38 रन का योगदान दिया। बेंगलुरु की ओर से रसिख ने चार और भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट चटकाए। इसके जवाब में बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही। टीम ने दूसरे ओवर में फिल सॉल्ट का विकेट गंवाया। इसके बाद देवदत्त पडिकल 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। विराट कोहली ने 34 गेंद में 49 रन बनाए। रजत पाटीदार ने 13 गेंद में 27 और जितेश ने 9 गेंद में 23 रन का योगदान दिया।

पहले बैटिंग करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को चौथे ओवर में पहला झटका लगा। टीम के सलामी बल्लेबाज एडन मार्करम 8 गेंद में 12 रन ही बना सके। कप्तान ऋषभ पंत कोहनी में लगी चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। हालांकि बाद में वह बैटिंग के लिए उतरे लेकिन तुरंत आउट हो गए। पूरन की खराब फॉर्म भी जारी रही और वह सात गेंद में सिर्फ एक रन बनाने के बाद हेजलवुड की गेंद को विकेटों पर खेल गए।

मार्श ने कृणाल पर चौके और छक्के के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। बडोनी ने कृणाल की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया लेकिन मार्श इस स्पिनर की गेंद को विकेटों पर खेल गए। उन्होंने 32 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे।

मुकुल चौधरी एक बार फिर अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने कृणाल पर चौके से खाता खोलने के बाद इस स्पिनर के अगले ओवर में छक्का भी मारा। बडोनी ने रसिख पर चौका मारा लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर जितेश शर्मा को कैच दे बैठे। उन्होंने 24 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का मारा।

पंत को जोश हेजलवुड ने किया चोटिल

बेंगलुरु, 15 अप्रैल। ऋषभ पंत आरसीबी बनाम एलएसजी मैच के में चोटिल हो गए। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान मैदान से बाहर गए और फिर बैटिंग के लिए आए। उन्होंने कुल छह गेंदों का सामना किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच बुधवार को आईपीएल 2026 का 23वां मुकाबला खेला जा रहा है। आरसीबी ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस जीतकर एलएसजी को बैटिंग का न्योता दिया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए। उनकी कोहनी में चोट लगी। पंत को दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा लेकिन टीम के लड़खड़ाने के बाद फिर बैटिंग करने आए। हालांकि, वह कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 6 गेंदों में महज एक बनाया। पंत को भुवनेश्वर कुमार ने 17वें ओवर की पांचवीं गेंद पर फिल साल्ट के हाथों कैच कराया।

फिडे कैंडिडेट्स 2026 : सिंदारोव ने एक राउंड पहले ही जीता खिताब

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। फिडे कैंडिडेट्स 2026 के ओपन वर्ग में उभरते ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को एक राउंड शेष रहते ही खिताब अपने नाम कर लिया। राउंड 13 में अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेलते ही उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया। इस जीत के साथ सिंदारोव ने इस साल होने वाले फिडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि सिंदारोव पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहे और उनकी लगातार अजेय मैचों की संख्या 50 तक पहुंच गई। राउंड 13 से पहले सिंदारोव के पास दो अंकों की बढ़त थी। गिरी के लिए यह मुकाबला जीतना जरूरी था, ताकि फाइनल राउंड तक मुकाबला बना रहे, लेकिन ड्रॉ के साथ ही सिंदारोव ने खिताब सुनिश्चित कर लिया। मुकाबले की शुरुआत गिरी ने 1.4 चाल से की, जिसका जवाब सिंदारोव ने बेहद मजबूत रणनीति के साथ दिया। 15वीं चाल तक कई मोहरों का आदान-प्रदान हो चुका था और खेल रानी के बिना मिडिलगेम में पहुंच गया, जो सिंदारोव की रणनीति के अनुकूल रहा। गिरी ने ड्रॉ-फाइल पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन सिंदारोव ने सटीक बचाव करते हुए उनकी सभी योजनाओं को नाकाम कर दिया। बाद में खेल रूक और ऊंट के एंडगेम में पहुंचा, जहां दोनों खिलाड़ियों को कोई बढ़त नहीं मिल सकी और अंततः तीन बार एक जैसी चाल दोहराए जाने के कारण मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

अंडर-16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग

लवमित गुर्जर के पंजे से मोहन क्रिकेट अकादमी फाइनल में

जयपुर, 15 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर तारीक क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। जिसमें मोहन क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 ओवर में 233 रनों पर ऑल आउट हो गई। जिसमें नायफ राशिद ने नाबाद 57 रन व मानवीर ने 24 रन व अमरनाथ ने 23 रनों का योगदान दिया। तारीक क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में तवीश शर्मा ने चार विकेट और विनय शर्मा व तनिश चौहान ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तारीक क्रिकेट 38.5 ओवर में 113 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें उदित ने 39 रन व नीरज ने 17 रनों का योगदान दिया। मोहन क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में लवमित गुर्जर ने पांच विकेट और मनीष हरितवाल व मानवीर ने दो-दो विकेट लिए। मोहन क्रिकेट अकादमी ने 120 रन से मुकाबला जीत फाइनल में जगह बनाई। फाइनल मुकाबला भदौरिया क्रिकेट अकादमी व मोहन क्रिकेट अकादमी के मध्य शनिवार को नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग उद्घाटन मैच में जहीरुल हसन क्लब ने एसजे पब्लिक स्कूल को हराया

जयपुर, 15 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट के कन्वीनर राजेश ताम्बी ने बताया कि संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए उद्घाटन मैच में जहीरुल हसन क्लब ने एस जे पब्लिक स्कूल को 81 रनो से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर पूल ए के मैच में जहीरुल हसन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्रजेश यादव के 56 रन, रिआंश भाटिया के 37 रन, तुषार चेलानी के 47 रन, युवराज सिंह के 22 रन, सूर्यांश बु हाडिया के 45 रन, व रोहन चौधरी के 51 रनो से 46 ओवर में 303 रन बनाए। एस जे पब्लिक स्कूल के लिए साहिल नायक के 41 पर 4, मोहम्मद अरीब ने 57 पर 3, देवेश व गुलजार ने 1 -1 विकेट लिया। जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल की टीम ने आदेश के 74 रन, कोविंत जेनरीवाल के 18 रन, जतिन सांवरिया के 40 रन, साहिल नायक के 13 रन व गुलजार खान के 21 रनो से 45.1 ओवर में 222 रन बनाकर आउट हो गई। जहीरुल हसन क्लब के लिए युवराज सिंह ने 27 पर 3, रुद्राक्ष परवाल ने 34 पर 2, राजवीर चौधरी ने 32 पर 2, मानव रोगा व शिखर सैनी ने एक - एक विकेट लिया।

रिंकू 5 नं. पर खेलने लायक नहीं : श्रीकांत

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का खराब प्रदर्शन सबको आलोचना करने का मौका दे रहा है। टीम लगातार 4 मैच हार चुकी है। इस सीजन केकेआर के उपकप्तान बनाए गए रिंकू सिंह का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा है। जिसके बाद पूर्व क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने उनको लगातार समर्थन देने पर सवाल उठाए हैं। श्रीकांत ने साफ कहा है कि रिंकू सिंह उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं। अब भी आईपीएल में पांच लगातार छक्के मारने के कारण से मिली लोकप्रियता के सहारे चल रहे हैं। श्रीकांत ने रिंकू सिंह के नंबर 5 पर खेलने को लेकर भी संदेह जताया है।

गौतम गंभीर को हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है : मुनाफ पटेल

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर अपने गंभीर स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने कई नई उपलब्धियों को छुआ है। लेकिन कुछ रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने बीसीसीआई से अपने कार्यकाल को 2028 के टी20 वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की मांग की है। फिलहाल उनका कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 के वनडे वर्ल्ड कप तक ही सीमित है। इसी बीच कुछ ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि बोर्ड उन्हें हटा सकता है। जिस पर पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

भारत के पूर्व क्रिकेटर मुनाफ पटेल ने गंभीर का जोरदार समर्थन किया और चेतावनी दी कि उन्हें हटाने से अफरा-तफरी मच सकती है। उन्होंने कहा है कि गंभीर शायद ड्रेसिंग रूम में एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जो सच को सच कहने की हिम्मत रखते हैं। अगर किसी बड़े से बड़े खिलाड़ी का प्रदर्शन गिरता है, तो उसे टीम से बाहर करने का भी उनमें साहस है।

बस ये याद रखना अगर गौतम गंभीर जैसे हेड कोच को हटा दिया जाता है तो खिलाड़ियों को संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा। वह एक सच्चे इंसान हैं, वह सच को सच कहते हैं और बहुत से लोगों को ये पसंद नहीं आता। हर कोई जानता है कि अगर चीजें पटरी से उतर जाती हैं तो उनमें उस खिलाड़ी को टीम से बाहर करने की हिम्मत है।

ऑस्ट्रेलिया के खराब दौरे के बाद रोहित और कोहली दोनों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया तो दोनों और गंभीर के बीच तनाव की खबरें सामने आईं। 2025 में वनडे सेटअप में भी कुछ ठीक नहीं था जब इस फॉर्मेट में उनकी वापसी के समय गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने 2027 वर्ल्ड कप की योजनाओं में उनकी जगह की पुष्टि करने से परहेज किया।

मुनाफ ने कहा कि खिलाड़ियों को संभालना सबसे जरूरी चीज है और ये आसान नहीं है। विराट कोहली जैसे किसी खिलाड़ी को ना कहकर देखो।

अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होंगे आईपीएल? 20वें सीजन की हो रही है खास तैयारी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। आईपीएल को भारत में एक त्योहार की तरह मनाया जाता है। ये टी20 टूर्नामेंट पिछले 19 सालों से भारतीय क्रिकेट का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है। वहीं अब दुनिया के सबसे महंगी क्रिकेट लीग के एक खास विस्तार की योजना सामने आ रही है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड ओवल के मैनेजमेंट की तरफ से आईपीएल 2027 को लेकर एक खास योजना बनाई जा रही है। इसके तहत आईपीएल के 20वें सीजन से एक मैच कम से कम एडिलेड ओवल में करवाने का प्लान बन रहा है। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई सेन मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार एडिलेड ओवर आईपीएल के अगले सीजन यानी अगले मार्च से होस्ट करने के लिए उत्सुक है। ये आइडिया एडिलेड ओवल के चेयरमैन जैमी ब्रिग्स और 2 के चीफ बिल रेनर का है। इसकी जानकारी कई स्थानीय स्पॉन्सर्स बड़े उद्योगपतियों को भी पिछले कुछ हफ्तों में दी गई है। हालांकि, अभी बीसीसीआई के पास ये प्रपोजल नहीं गया लेकिन जल्द ही बातचीत हो सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि, एडिलेड ओवल की तरफ से ये योजना काफी विस्तृत तौर पर बनाई जा रही है। इसको रिवर्स व्यवस्था के तहत भी करवाने की योजना है। जैसे बिग बैश लीग के मैच की मेजबानी चेन्नई करेगा और ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में आईपीएल के शुरुआती सीजन मैच हो सकता है। सेन मीडिया की रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इस योजना के बारे में एडिलेड ओवल की तरफ से साउथ ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख पीटर मलिनोस्कस, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चेयरमैन माइक बेयर्ड, ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड, ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री डॉन फरेल को जानकारी दी जा चुकी है।

बार्सिलोना चैंपियंस लीग में हार से बौखलाया, खराब रेफरिंग के खिलाफ करेगा अपील

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। बार्सिलोना की चैंपियंस लीग से बाहर होने के बाद क्लब के भीतर नाराजगी खुलकर सामने आने लगी है। मुकाबले के बाद अब क्लब प्रबंधन ने भी रेफरिंग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बता दें कि एफसी बार्सिलोना के अध्यक्ष पद के लिए चुने गए जोआन लापोर्टा ने एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में रेफरी और वीडियो समीक्षा प्रणाली पर कड़ी आपत्ति जताई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, लापोर्टा ने कहा कि मैच में रेफरिंग का स्तर बेहद खराब रहा और इससे टीम को बड़ा नुकसान हुआ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि रेफरी और वीडियो तकनीक द्वारा लिए गए फैसले स्वीकार करने योग्य नहीं थे। गौरतलब है कि इससे पहले टीम के खिलाड़ी राफिन्हा भी रेफरिंग को लेकर नाराजगी जता चुके हैं और उन्होंने टीम के साथ अन्याय होने की बात कही थी। लापोर्टा के अनुसार, पहले चरण में भी कई फैसले बार्सिलोना के खिलाफ गए थे, जिसमें एक पेनल्टी और खिलाड़ी को लाल कार्ड दिखाने का मामला शामिल है। उनका कहना है कि कई अहम मौकों पर गलत निर्णय लिए गए, जिनका सीधा असर मैच के नतीजे पर पड़ा। मौजूद जानकारी के अनुसार, क्लब प्रबंधन का मानना है कि एक गोल को गलत तरीके से खारिज किया गया और पेनल्टी के कुछ मामलों में भी अनदेखी की गई। साथ ही, एक खिलाड़ी के साथ हुए फाउल पर भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाए गए हैं। गौरतलब है कि बार्सिलोना ने पहले भी इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया था। अब क्लब एक बार फिर से यूरोपीय फुटबॉल संस्था के सामने शिकायत दर्ज कराने की तैयारी में है।

प्रशांत की शानदार पारी से अरावली जीती, राजकुमार का शतक बेकार

जयपुर, 15 अप्रैल। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गये हुकुम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये क्वार्टर फाईनल मैच में राजकुमार सैनी के 142 रन की शानदार पारी के बावजूद प्रशान्त माली 94 रन व 30 रन पर एक विकेट की शानदार प्रदर्शन की बदौलत वी.जे.डी. नियम से अरावली ने अल्फा एकेडमी को 4 रन से हराकर सेमिफाईनल में प्रवेश किया।

पिच गीला होने के कारण विलम्ब से प्रारम्भ मैच में टॉस जीतकर अल्फा क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये राजकुमार सैनी 142 रन (120 गेंद, 14 चौके, 5 छक्के), अंकित रोहेला 45 रन नाबाद देवांश सिंह 34 रन, श्री राम खण्डेलवाल 28 रन, दिव्यांशु सिंह गोसिंहा 26 रन की पारियों की मदद से निर्धारित 40 ओवर में 6 विकेट खोकर 312 रन बनाये। अरावली की ओर से दानिश भांमु 39 रन पर 2 विकेट, हंसराज रोलानिया 68 रन पर 2 विकेट तथा कृष्ण कुमार व प्रशान्त माली प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में प्रशान्त माली 94 रन, (77 गेंद, 8 चौक, 4 छक्के) कप्तान अजय 40 रन नाबाद 21 गेंद, 3 चौके, 3 छक्के, राममोहन 34 रन, सुमित गोदारा 23 रन, कृष्ण कुमार 39 रन की मदद से 31.3 ओवर में 5 विकेट खोकर जब स्कोर 254 रन था रोशनी के कारण मैच रोकना पड़ा नियमानुसार न्यूनतम ओवर खेलने के पश्चात् मैच रुका इसलिये वी.जे.डी. नियमानुसार अरावली 8 रन से जीती उस समय अल्फा एकेडमी को 34 ओवर में 250 रन बनाते थे लेकिन उन्होंने 33.3 ओवर में 5 विकेट खोकर 254 रन बना दिये थे। अल्फा क्रिकेट एकेडमी की ओर से अमर सोनी 61 रन पर 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच प्रशान्त माली अरावली क्रिकेट एकेडमी रहें।

स्क्वैश एकेडमी की इनाया और वीर ने जीते कांस्य पदक

जयपुर, 15 अप्रैल। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की इनाया अन्द्रावी और वीर श्रृंगी ने कोलकाता में आयोजित तीसरे ईस्टर्न चैलेंजर 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट में अपने- अपने आयु वर्ग में कांस्य पदक जीते। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरभि मिश्रा ने बुधवार को यहां बताया कि कोलकाता के सटर्डे क्लब में स्क्वॉश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 11 से 15 अप्रैल तक आयोजित टूर्नामेंट में इनाया ने गर्ल्स अंडर-11 के क्वार्टर फाइनल में तमिलनाडु की जे.एन. इनिया को 11-4, 11-2, 11-4 से पराजित कर सेमी फाइनल में जगह बनाई। लेकिन सेमी फाइनल में इनाया को दूसरी वरीयता की झारखंड की अविशा अग्रवाल से 7-11, 11-5, 11-8, 12-10 से हार का सामना करना पड़ा। इनाया ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में झारखंड की अनायशा साहू को 11-8, 11-8, 11-5 से शिकस्त दी। वहीं बॉयज अंडर-13 में वीर श्रृंगी ने दूसरी वरीयता के निर्वाण उप्पल (दिल्ली) को 11-7, 11-7, 11-7 से पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया। वीर ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में दिल्ली के अबिराज धई को 11-6, 11-3, 11-2 से हरा अंतिम चार में जगह बनाई। लेकिन सेमी फाइनल में उत्तर प्रदेश के रिदान गुप्ता ने वीर को 11-6, 12-10, 11-3 से पराजित कर दिया।

विंबलडन 2028 से पहले ग्रासकोर्ट एटीपी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा इटली

रोम, 15 अप्रैल। इटली टेनिस जगत में अपनी मजबूत होती स्थिति को और आगे बढ़ाते हुए 2028 से विंबलडन से पहले एक नया ग्रासकोर्ट एटीपी टूर्नामेंट आयोजित करेगा। इटालियन टेनिस और पैडल महासंघ ने ब्रुसेल्स में अक्टूबर में खेले जाने वाले एटीपी 250 स्तर के टूर्नामेंट के अधिकार खरीद लिए हैं, जिसे अब जून महीने में इटली में आयोजित किया जाएगा। महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनाघी ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि टूर्नामेंट के आयोजन स्थल पर अभी अंतिम निर्णय होना बाकी है, लेकिन मौसम को देखते हुए इसे उत्तरी इटली में आयोजित किए जाने की संभावना है। उन्होंने संकेत दिया कि मिलान का ऐतिहासिक सैन सिरो स्टेडियम भी संभावित स्थल हो सकता है।

राजस्थान क्रिकेट पर जोधपुर का दबदबा

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में पिछले दो सरकारों में जोधपुर का दबदबा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं। इस बार भी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी में राज्य सरकार ने एक फिर बदलाव किया और कमेटी कन्वीनर के साथ ही कुछ सदस्यों को भी बदला गया। सरकार ने 9वीं बार एडहॉक कमेटी का कार्यकाल बढ़ाया।

नई एडहॉक कमेटी में स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे और जोधपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धनंजय सिंह खींवसर को फिर जगह दी गई है। इनमें पूर्व मंत्री चंद्राज सिंघवी के पोते और जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव अरिष्ट सिंघवी को सदस्य बनाया गया है।

राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना भी जोधपुर से ही आते हैं। जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भाटी आरसीए स्कोरर पद पर भी कार्यरत हैं। इसके अलावा आईपीएल मैचों में चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर भी हैं। जोधपुर में ही जन्मे और पले-बढ़े रवि बिश्नोई ने कम उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था और उन्होंने शेन वार्न के खेल शैली को अपना आदर्श बनाया। राजस्थान की ओर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित नाममितली राज (जोधपुर) का है, जिन्हें महिला क्रिकेट का तेंदुलकर कहा जाता है। जोधपुर का क्रिकेटप्रेमी माहौल राजस्थान क्रिकेट को और मजबूत बना रहा है।

बरकतुल्लाह खान स्टेडियम राजस्थान के जोधपुर में स्थित है। राजस्थान के छठे मुख्यमंत्री के नाम पर नामित यह स्टेडियम वर्तमान में मुख्य रूप से क्रिकेट के लिए उपयोग किया जाता है। आखिरी आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच 21 नवंबर 2002 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया था। इसके बाद, सितंबर 2022 में यहां लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मैच आयोजित किए गए थे, लेकिन आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय सीरीज 2002 के बाद से नहीं हुई है। इन सब के बावजूद जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में आईपीएल 2026 का कोई भी मैच नहीं खेला जाएगा।

कराटे में कीर्तिमान स्थापित करने वाली बालिका मनुश्री सक्सेना का हुआ सम्मान

जयपुर, 15 अप्रैल। राजस्थान की होनहार बालिका खिलाड़ी कु. मनुश्री सक्सेना, जिन्होंने कम आयु में कराटे में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दो बार अपना नाम दर्ज कराया है, को जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी द्वारा सम्मानित किया गया। मनुश्री सक्सेना ने वर्ष 2022 में मात्र 4 वर्ष की आयु में कराटे में ब्लैक बेल्ट (फर्स्ट डिग्री) प्राप्त कर एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया था। इसके पश्चात वर्ष 2026 में पुन: मात्र 8 वर्ष की आयु में ब्लैक बेल्ट (सेकेंड डिग्री) प्राप्त कर एक बार फिर यह गौरव हासिल कर प्रदेश एवं देश का नाम रोशन किया है। सक्सेना ने जयपुर के पानी पेच स्थित पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। यह क्लब वर्षों से खेल प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां से प्रशिक्षित खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

क्या इस बार आईपीएल मैचों में टिकटों की कालाबाजारी रुक पाएगी ?

पिछले साल पुलिस की मुस्तैदी से टिकिट ब्लैक करते रंगे हाथों पकड़े गए थे आरोपी

जयपुर, 15 अप्रैल। इस बार राजस्थान रॉयल्स की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के जयपुर चरण के लिए ऑनलाइन टिकट बिक्री आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है, जिसकी शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से की जायेगी। राजस्थान रॉयल्स टीम की अपने घरेलू मैदान, प्रतिष्ठित सवाई मानसिंह स्टेडियम में वापसी का प्रतीक है, जहां प्रशंसक एक बार फिर लाइव क्रिकेट के रोमांचक माहौल का अनुभव करेंगे। प्रशंसकों को सहज और बेहतर टिकटिंग अनुभव प्रदान करने के लिए फ्रेंचाइजी ने एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया अपनाई है। टिकट केवल 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं, जो राजस्थान रॉयल्स का आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर है। लेकिन खेलप्रेमियों द्वारा टिकिट नहीं मिलने पर ब्लैक से टिकिट खरीदने को मजबूर हो जाते हैं इसी कारण टिकटों की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रशंसकों को सलाह दी गई है कि वे जल्द से जल्द बुकिंग करें, ताकि वे इस रोमांचक अनुभव से वंचित न रहें। क्या इस बार आईपीएल मैचों की टिकट कालाबाजारी रुक पाएगी? अगर कालाबाजारी नहीं रुकती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्योंकि पिछले साल जयपुर में हुए आईपीएल मैचों के दौरान लालकोठी थाना और गांधी नगर इलाके में पुलिस की कार्रवाई में टिकट ब्लैक करते हुए आरोपियो को गिरफ्तार किया गया था, आरोपी से 2200 की रेट की 40 टिकट हुई बरामद की गई थी। एक ही दिन में हुई दो कार्रवाई से मैनजमेंट पर उठ रहे थे सवाल। एक साथ इतने टिकट कहां से आए इन लोगों के पास? जवाहर नगर थाना पुलिस ने भी आईपीएल मैचों के दौरान मैच के अधिक रुपए के टिकट बेचने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 टिकट जिनकी कीमत एक लाख बीस हजार रुपए थी।

संसद व विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिलेगा- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया

जयपुर, 15 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है, इससे महिलाओं की राजनीति में सहभागिता बढ़ेगी। इस अधिनियम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिलेगा एवं शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर महिलाओं की सीधी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाएं और अधिक योगदान

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों में सीधी भागीदारी मिलेगी।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बिडला ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ छात्राओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी ली।

दे सकेंगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं से इस अधिनियम के समर्थन में 9667173333 नम्बर पर मिस्ड कॉल करने का आ ान भी किया। शर्मा बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि हमारा समाज और देश तभी प्रगति करेगा, जब महिलाएं हर क्षेत्र में भागीदारी निभाएंगी। हमारी सनातन संस्कृति में महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही, हर क्षेत्र में महिलाओं को हमेशा आगे रखा गया है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना से अब तक 6 लाख 50 हजार से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की प्रत्येक योजना में नारी शक्ति केन्द्र में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। इस अधिनियम से आजादी के बाद पहली बार संसद और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने जा रहा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सिग्नेचर वॉल पर हस्ताक्षर किए तथा मुख्यमंत्री के साथ छात्राओं ने सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी भी ली। इस अवसर पर महिला बाल विकास राज्य मंत्री मंजू बाघमार, सांसद मंजू शर्मा, महिला एवं बाल विकास शासन सचिव पूनम सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रेल से खुलेंगे

देहरादून, 15 अप्रैल। आस्था और श्रद्धा के रूप में प्रतिष्ठित केदारनाथ धाम के कपाट वर्ष 2026 की यात्रा के लिए आगामी 22 अप्रैल को प्रातः 08:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान एवं सनातन परंपराओं के अनुरूप श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पहले भगवान की चल-विग्रह डोली 19 अप्रैल को केदारनाथ धाम के लिए प्रस्थान करेगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 19 अप्रैल को भगवान केदारनाथ की चल विग्रह डोली ऊखीमठ से प्रस्थान कर फाटा पहुंचेगी। इसके उपरांत 20 अप्रैल को डोली प्रातः फाटा से प्रस्थान कर गौरीकुंड स्थित पवित्र गौरी माई मंदिर पहुंचेगी और रात्रि विश्राम करेगी। अगले चरण में 21 अप्रैल को प्रातः गौरीकुंड से प्रस्थान कर भगवान की डोली श्री केदारनाथ धाम स्थित मंदिर भंडार पहुंचेगी। इसके साथ ही, धाम में धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम प्रारंभ हो जाएगा। 22 अप्रैल को प्रातः 8 बजे, शुभ मुहूर्त में, वैदिक मंत्रों एवं पूजा-अर्चना के मध्य भगवान केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे, जिसके साथ ही विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा।

भाजपा के सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

सम्राट चौधरी ने गृह विभाग सहित 29 विभाग अपने पास रखे

पटना, 15 अप्रैल। भाजपा के सम्राट चौधरी अब बिहार के मुख्यमंत्री हैं। बुधवार को उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ-साथ जेडीयू के विजय कुमार चौधरी और बिजेन्द्र यादव डिप्टी सीएम बने हैं।

शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी ने भले ही यह कहा हो कि बिहार में नरेन्द्र मोदी और नीतीश मॉडल ही चलेगा। लेकिन शपथ के कुछ घंटे बाद जो विभागों का बंटवारा हुआ, वह काफी कुछ कहता है। विभागों का बंटवारा जिस तरह से हुआ है, उससे लग रहा है कि भाजपा ही अब बिहार में सब कुछ है और जेडीयू सिर्फ सरकार में सहयोगी है।

सम्राट चौधरी के पास गृह समेत 29 विभाग हैं। वहीं, जेडीयू के दोनों डिप्टी सीएम को 18 विभाग ही मिले हैं। विजय चौधरी को 10 और बिजेन्द्र यादव को 8।

बिहार में शपथ ग्रहण के कुछ घंटों बाद विभागों का बंटवारा हो गया। अभी बिहार सरकार में सिर्फ मुख्यमंत्री और

- **जदयू कोटा से उपमुख्यमंत्री बने विजय चौधरी को 10 और बिजेन्द्र यादव को 8 विभाग मिले हैं।**
- **सरकार में सबसे ताकतवर गृह विभाग माना जाता है तथा नीतीश कुमार ने भी हमेशा गृह विभाग खुद ही रखा पर इस बार जब वे मुख्यमंत्री बने थे तो उन्हें गृह विभाग भाजपा को देना पड़ा था।**

दो डिप्टी सीएम हैं। विभागों का बंटवारा भी इन्हीं तीनों में हुआ है। लेकिन बंटवारा जिस तरह से हुआ है, वह दिखाता है कि बिहार में सम्राट चौधरी को सरकार के भीतर सरकार वाली ताकत दी गई है।

सरकार में सबसे ताकतवर गृह विभाग माना जाता है। पिछले साल नवंबर में जब विधानसभा चुनाव हुए, तब जाकर गृह विभाग भाजपा के पास आया था। मुख्यमंत्री रहते हुए नीतीश कुमार ने कभी भी गृह मंत्रालय किसी और को नहीं दिया। चुनाव के बाद सम्राट चौधरी को गृह विभाग दिया गया। दो दशकों में यह पहली बार था, जब नीतीश कुमार के पास गृह विभाग नहीं था।

2025 में हुए इस बंटवारे के बाद सम्राट चौधरी को जिस तरह से गृह विभाग मिला था, उससे ही लगने लगा था कि बिहार में भाजपा अब जेडीयू का बड़ा भाई बन गई है। इस बात का अंदाजा इससे भी लगा सकते हैं कि जब 2020 के चुनाव में जेडीयू ने 43 सीटें जीती थीं, तब भी नीतीश कुमार ने गृह विभाग अपने पास ही रखा था। महागठबंधन के साथ सरकार में भी नीतीश पर गृह विभाग छोड़ने का दबाव पड़ा था, लेकिन उन्होंने इसे अपने हाथ से जाने नहीं दिया। नीतीश कुमार जानते थे कि गृह विभाग पर पकड़ होना कितना मायने रखता है।

'कांग्रेस महिला आरक्षण की समर्थक पर इस बिल के परिसीमन प्रावधानों का भारी विरोध करती है'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने आवास पर विपक्षी नेताओं की बैठक के बाद प्रैस वार्ता में कहा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। कांग्रेस सहित, विपक्ष के कई प्रमुख दलों ने लोकसभा में महिला आरक्षण लागू करने से संबंधित संवैधानिक संशोधन विधेयक को पेश किए जाने से एक दिन पहले बुधवार को कहा कि वे महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के पक्ष में हैं, लेकिन इस विधेयक के परिसीमन के प्रावधानों का पुरजोर विरोध करेंगे, क्योंकि ये 'खतरनाक' हैं।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई विपक्षी दलों की बैठक में नारीशक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन और परिसीमन संबंधी विधेयक पर विस्तार से चर्चा की गई तथा "सर्वसम्मति से" यह फैसला किया गया कि वे परिसीमन के प्रावधानों के खिलाफ एकजुट होकर वोट करेंगे।

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, हम सभी महिला आरक्षण विधेयक के पक्ष में हैं। हालांकि, जिस तरह से इसे लाया गया है, वह संदिग्ध है और हमें इस पर गंभीर आपत्ति है। यह राजनीति से प्रेरित है। मोदी सरकार विपक्षी दलों को निशाना बनाने और दबाने के लिए इस तरह के काम कर रही है।

उनका कहना था कि हमने महिला आरक्षण विधेयक का लगातार समर्थन किया है और इस बात पर जोर दिया है कि इसे पहले पारित संशोधन के आधार पर लागू किया जाना चाहिए। खड़गे ने आरोप लगाया कि लगता है कि परिसीमन पर सरकार कुछ गलत मंशा के साथ कदम बढ़ा रही है।

उन्होंने कहा कि इसलिए सभी विपक्षी दल एकजुट होकर संसद में संघर्ष करने जा रहे हैं। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि हम महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ नहीं हैं। साल 2023 में अनुच्छेद 334(ए) को संविधान में शामिल किया गया था। इसमें सर्वसम्मति से महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने की बात की गई थी। हम चाहते हैं कि उस प्रावधान को तुरंत लागू किया जाए।

उनका कहना, "हमारी मांग 2023 में भी यही थी कि इस प्रावधान को 2024 के लोकसभा चुनाव से ही लागू किया जाए, लेकिन सरकार ने जनगणना और परिसीमन की शर्त लगा दी थी। लेकिन अब सरकार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु चुनाव प्रचार के बीच ये तीन विधेयक ला रही है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा, "ये परिसीमन बड़ा खतरनाक है। उन्होंने आगे कहा कि गृह मंत्री और सरकार के मंत्रियों ने कहा है कि लोकसभा में 50 प्रतिशत सीट बढ़ेंगी और ये समानुपातिक तौर पर सभी राज्यों के लिए लागू होगा, लेकिन ये बात इस विधेयक में शामिल नहीं है। इस विधेयक के आने से दक्षिण भारत के राज्यों, उत्तर-पश्चिमी भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों का अनुपात घटेगा। बार-बार समानुपात की बात की जा रही है, लेकिन वो परिसीमन के प्रावधानों में कहीं दिख नहीं रहा है।

- **कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा यह परिसीमन बड़ा खतरनाक है। सरकार समानुपात में सीटें बढ़ने की बात कह रही है पर परिसीमन के प्रावधानों में यह सब नहीं दिख रहा है।**

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोककर उन्हें वापस भेज चुके हैं। अमेरिका का उद्देश्य स्पष्ट रूप से ईरान के तेल निर्यात को रोकना है।

लेकिन इस कदम से वैश्विक बाजार भी अस्थिर हो रहे हैं, और तेल की कीमतें, थोड़े समय के लिए गिरने के बाद, फिर से 96 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं।

दूसरी तरफ, ईरान ने भी कड़ी चेतावनी दी है और कहा कि अगर अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहती है, तो वह फारस की खाड़ी, ओमान सागर और लाल सागर के प्रमुख व्यापार मार्गों को बंद कर सकता है।

अमेरिका के ब्लॉकेड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के पास अनुमानित 1.3 अरब बैरल का विशाल तेल भंडार है। चीन का यह भंडार देश की तेल खपत को कम से कम चार महीनों तक पूरा कर सकता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद, चीन अपने भंडार से तेल जारी कर रहा है। हालांकि, नाकेबंदी के बाद, चीन लंबी अवधि की अस्थिरता की संभावना को लेकर चिंतित हो गया है। एक नया कारक रूस की घोषणाएँ थीं, जिन्हें अमेरिका पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था। रूस के विदेश मंत्री, सर्गेई लावरोव, वर्तमान में चीन का दौरा कर रहे हैं। वे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साल के अंत में चीन के दौरे की तैयारियाँ करने के लिए वहाँ गए है। रूस के ईरान के साथ बहुत मजबूत संबंध हैं, जैसा कि चीन के साथ भी हैं। दोनों अधिक व्यापक वार्ता की सिफारिश कर रहे हैं ताकि एक उचित समाधान निकाला जा सके। किसी न किसी तरह, रूस और चीन अपने प्रभाव को अमेरिका की तुलना में अधिक ईरान के पक्ष में वार्ता में डाल रहे हैं।

अदालत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने सुबोध अग्रवाल को गत 9 अप्रैल को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वे पुलिस रिमांड पर चल रहे हैं।

विश्व बैंक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अप लोन की शुरूआत होगी।

भारत में विश्व बैंक के कार्यवाहक निदेशक पॉल प्रोसी ने कहा है कि इस परियोजना से युवाओं को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे वे आर्थिक गतिविधियों वाले विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ ले पाएंगे। इससे प्रदेश में औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी) से प्राप्त 225 मिलियन डॉलर के ऋण की अंतिम परिपक्वता अवधि 35 वर्ष है, जिसमें स्टेप-अप लोन की सुविधा तथा 5 वर्ष की अनुग्रह अवधि भी शामिल है।

लखनऊ में अग्निकांड 1200 झोंपड़ियां जली

लखनऊ, 15 अप्रैल। लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-12 रिंग सड़क किनारे बसी अवैध बस्ती में बुधवार शाम आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 1200 झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। झोपड़ियों में रखे 100 के करीब गैस सिलिंडर भी फटे।

आग से पूरे इलाके में भगदड़ मच गई। बस्ती में बनी झोपड़ियों से लोग जान बचाकर भागने लगे। 22 दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग बुझाने का काम शुरू किया, जो रात 10 बजे तक चलता रहा। आग से 50 के करीब मवेशियों के जिंदा जलने की सूचना है, पर इसकी पुष्टि नहीं हुई। कुछ बच्चे भी लापता है। पुलिस व प्रशासन बस्ती में सर्च ऑपरेशन चला रहा है। लोगों का आरोप है कि समय पर पुलिस व दमकल नहीं पहुंचीं और आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। नाराज लोगों की पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों से तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी हुई।

- **आग विकास नगर के पास रिंग रोड के किनारे बसी अवैध बस्ती में लगी। अभी पता नहीं चला कि जानमाल की कितनी हानि हुई।**

विकासनगर सेक्टर-12 स्थित मिनी स्टेडियम से कुछ दूरी पर तीन बीघा खाली जमीन पर वर्षोसे लोग झोपड़ी बना कर रह रहे थे। रोज की तरह मंगलवार सब कुछ सामान्य था। शाम करीब पांच बजे अचानक एक मस्जिद नूमा झोपड़ी में आग लग। आग देखते ही वहां मौजूद लोगों ने उसको बुझाने की कोशिश की पर नाकाम रहे।

बस्ती में आग लगने के बाद झोपड़ियों में रखे गैस सिलिंडर एक के बाद एक फूटने शुरू हो गए।

प्रयागराज में ट्रेन हादसे में 5 की मौत

प्रयागराज, 15 अप्रैल। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर करछना के पास बुधवार शाम हृदयविदारक दुर्घटना हुई। ट्रेन की चपेट में आने से पांच लोगों की हो गई। मरने वाले तीन युवकों की पहचान हुई है, जबकि दो की पहचान कराने की कोशिश हो रही है। रेलवे की ओर से भी मामले की जांच कराई जा रही है। पुलिस और जीआरपी के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर पचदेवरा गांव के पास हुए हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही।

बुधवार शाम करीब सवा छह बजे कालका एक्सप्रेस के लोको पायलट ने पचदेवरा गांव के पास पटरी पर एक युवक की लाश देखकर ट्रेन रोक दी। उसने कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन के ठहरने पर उसमें सवार कई यात्री नीचे उतर गए। चार युवक पटरी पर मौजूद थे। तभी कालका एक्सप्रेस का हार्न बजा तो पटरी पर मौजूद युवक चढ़ने के लिए आगे बढ़े।

फतेहगढ़ साहिब में बस पलटी, 8 की मौत

फतेहगढ़ साहिब, 15 अप्रैल। बैसाखी पर्व पर श्री आनंदपुर साहिब में माथा टेक कर लौट रही संगत की बस मंगलवार देर रात फतेहगढ़ साहिब के गांव भटेड़ी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में आठ श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। दो गंभीर घायलों को पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा बल की टीम और बस्सी पठाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को बस से निकाल कर तुरंत अस्पताल भेजा गया। हादसे की खबर मिलते ही एसएसपी फतेहगढ़ साहिब शुभम अग्रवाल, डीएसपी बस्सी पठाना राजकुमार शर्मा और विधायक रुपिंदर सिंह हैप्पी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने राहत कार्य का जायजा लिया। पुलिस ने रात में ही क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त बस को सड़क से हटाया। इसके बाद यातायात सुचारू किया गया।

शिरोमणि अकाली दल की सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने हादसे पर गहरा दुख जताया है।

राज्यपाल ने बाबूलाल कटारा के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति दी

जयपुर, 15 अप्रैल। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाए जाने के फलस्वरूप, दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानानुसार अभियोजन स्वीकृति दे दी है।

- **कटारा राजस्थान लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य हैं।**

उल्लेखनीय है कि इससे पहले राज्यपाल द्वारा उन्हें निलम्बित किए जाने के आदेश जारी किए गए थे।

स्मृति ईरानी ने हुगली में रोड शो बीच में छोड़ा

कोलकाता, 15 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बीच बंगाली नववर्ष के अवसर पर हुगली जिले के चूंचुड़ा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रैली के दौरान बड़ा घटनाक्रम सामने आया। पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कथित अव्यवस्था और स्थानीय संगठन की लापरवाही से नाराज होकर कार्यक्रम बीच में ही छोड़कर लौट गईं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के जिला नेतृत्व द्वारा उचित स्वागत और आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं किए जाने से स्मृति ईरानी नाराज हो गईं।

- **वे कथित अव्यवस्था तथा स्थानीय संगठन की लापरवाही से नाराज़ थीं।**

'पीएम और गृह मंत्री के वाहनों की जांच क्यों नहीं हो रही'

कोलकाता, 15 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आ रही है, आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज होता जा रहा है। इस बीच प्रदेश में वाहन जांच को लेकर सियासत तेज हो गई है। प्रदेश की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर केन्द्र और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि दमदम हवाई अड्डे पर उनकी गाड़ी के पास भी केन्द्रीय बल जांच के लिए पहुंचा था।

ममता बनर्जी ने कहा कि आज दमदम हवाई अड्डे पर मेरी गाड़ी के पास भी केन्द्रीय बल आया। मैंने खुद कहा कि जांच करो, मैं चाहती हूं कि जांच हो। इसके साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि अगर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की गाड़ियों की जांच हो रही है तो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की गाड़ियों की जांच क्यों नहीं होती।

- **प.बंगाल की मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया व कहा कि दमदम हवाई अड्डे पर केन्द्रीय बल उनकी गाड़ी की जांच के लिए आया था।**

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि चुनाव के नाम पर एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर तृणमूल के सभी नेताओं की गाड़ियों की जांच होती है, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की गाड़ियों की जांच क्यों नहीं होगी? क्या इसी तरह चुनाव कराया जाएगा? उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय नेताओं की गाड़ियों में पैसे आते हैं और केंद्रीय बलों के वाहनों को लेकर भी सवाल खड़े किए।

'कोर्ट के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को गलत ठहराना सबसे कठिन काम है'

सुप्रीम कोर्ट की 9 सदस्यीय संविधान पीठ ने सबरीमाला मामले में अहम् टिप्पणी की

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। सबरीमाला मामले की समीक्षा सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एक बेहद अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि किसी भी संवैधानिक न्यायालय के लिए करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्थाओं को गलत या त्रुटिपूर्ण घोषित करना सबसे कठिन कार्यों में से एक होता है।

यह टिप्पणी नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की, जिसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति सूर्य कांत कर रहे हैं। यह मामला धार्मिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन से जुड़ा हुआ है। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने सुनवाई के दौरान कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म की मूल भावना को कमजोर नहीं किया जा सकता। उन्होंने धार्मिक मामलों में अत्यधिक न्यायिक हस्तक्षेप को लेकर सावधानी बरतने की बात कही।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने इस बात पर भी विचार किया कि क्या धार्मिक मामलों में गैर-आस्थावान व्यक्तियों द्वारा दायर जनहित याचिकाओं पर सुनवाई होनी चाहिए। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलों को सुना, जिन्होंने आवश्यक धार्मिक प्रथाओं के सिद्धांत पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि यह सिद्धांत न्यायाधीशों को यह तय करने की शक्ति देता है कि किसी धर्म में क्या आवश्यक है और क्या नहीं, जो न्यायिक सीमा से बाहर जा सकता है।

सिंघवी ने कहा कि यदि कोई प्रथा सच्चे विश्वास और आस्था के साथ धर्म का हिस्सा मानी जाती है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण मिलना चाहिए, बशर्ते वह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के खिलाफ न हो।

सुप्रीम कोर्ट इस समय यह तय कर रहा है कि धार्मिक स्वतंत्रता और अन्य मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए और धार्मिक प्रथाओं में न्यायिक हस्तक्षेप की सीमा क्या होनी चाहिए। इसके अलावा, अदालत कई अन्य संवेदनशील मामलों पर भी विचार कर रही है, जिनमें धार्मिक स्थलों में प्रवेश, समुदायगत प्रथाएं और महिला अधिकारों से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। यह मामला केवल सबरीमाला तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत में धर्म, आस्था और संविधान के बीच संतुलन तय करने वाला एक महत्वपूर्ण कानूनी सवाल बन गया है, जिस पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं।

- **सबरीमाला विवाद मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से संबंधित है।**

सीबीएसई के कक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। परिणाम में छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों के मुकाबले बेहतर रहा। परिणामों के मुताबिक, 94.99 प्रतिशत छात्राएं पास हुईं, जबकि 92.69 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का पास प्रतिशत 87.50 रहा। संस्थागत प्रदर्शन की बात करें तो केन्द्रीय विद्यालय (केवी) ने 99.57 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया, इसके बाद जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) 99.42 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का पास प्रतिशत क्रमशः 91.43 और 91.01 रहा।

सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमानत याचिका में आरोपी की ओर से कहा गया कि वह बीते एक साल से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। ऐसे में मुकदमे की सुनवाई पूरी होने में समय लगने को देखते हुए उसे जमानत दी जाए। इसका विरोध करते हुए एएजी शिवमंगल शर्मा ने कहा कि आरोपी ने एसआई परीक्षा में दो अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा दी थी, हालांकि दोनों अभ्यर्थी बाद में साक्षात्कार में फेल हो गए थे। इसके साथ ही उसने पटवारी भर्ती में भी डमी अभ्यर्थी की भूमिका निभाई थी। उसने आरएएस अधिकारी होते हुए यह अपराध किए हैं। ऐसे अधिकारी पूरे तंत्र के लिए खतरा हैं। ऐसे में उसे जमानत नहीं मिलनी चाहिए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

'हर राज्य की मौजूदा लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि होगी'

केन्द्र सरकार ने परिसीमन पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा

नई दिल्ली, 15 अप्रैल। केन्द्र सरकार ने परिसीमन के मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना के बीच स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का इजाफा वर्तमान का 50 प्रतिशत होगा।

विपक्षी दलों का कहना है कि जनसंख्या वृद्धि असमान होने के कारण राज्यों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिशत घट सकता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों ने इसपर आपत्ति जतायी है, जहां विपक्षी पार्टियों की सरकार है। इनके मुख्यमंत्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या को बढ़ाने को लेकर सरकार कल से संसद की विशेष बैठक में विधेयक लाने जा रही है। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, नवीनतम जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार परिसीमन होगा।

सूत्रों ने बताया कि सरकार का कहना है कि राज्यों को लोकसभा की सीट अनुपात पर आवंटित की जाएगी। हर राज्य की वर्तमान सीट संख्या में 50 प्रतिशत तक इजाफा होगा। इससे किसी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। इस संबंध में प्रस्तावित विधेयक में भी इस बात को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई है। किसी को गलत अर्थ नहीं निकलना चाहिए और पूरी स्थिति संसद के पटल पर सुस्पष्ट कर दी जाएगी।

पूरे विरोध के केन्द्र में दक्षिण भारत के राज्य हैं, जिनका कहना है कि हमारी नीतियों के कारण हमारे राज्यों की जनसंख्या में उत्तर भारतीय राज्यों के मुकाबले कम वृद्धि हुई है। इस कारण से 2011 की जनसंख्या पर आधारित परिसीमन की प्रक्रिया में दक्षिण भारतीय राज्यों के सीटों में कटौती होगी और उनके राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व काम हो जाएगा।

उदाहरण के लिए, तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं जिनमें 20 का इजाफा कर इसे 59 बनाया जाएगा। केरल में वर्तमान में 20 सीट हैं, और ये बढ़ कर 30 हो जाएंगी। कर्नाटक में 28 सीट हैं, जो 42 हो जाएंगी। आंध्र प्रदेश में 25 सीट हैं, जो बढ़ कर 37 हो जाएंगी। तेलंगाना में 17 हैं, जो बढ़ कर 25 होंगी। ओडिशा में 21 सीटें हैं, जो बढ़ कर 31 होंगी।

- **केन्द्र सरकार के अनुसार उदाहरण के लिए तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटें बढ़कर 59 हो जाएगी इसी प्रकार केरल में सीटें 20 से बढ़कर 30, कर्नाटक में 28 से बढ़कर 42, आंध्र में 25 से बढ़कर 37, तेलंगाना में 17 से बढ़कर 25 व ओडिशा में 21 से बढ़कर 31 सीटें हो जाएगी।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908